आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्य: 2 ₹
डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23
यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6
www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

मोदी की कुर्सी खतरे में

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादक: विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्ष: 44 ● अंक: 20 ● नई दिल्ली ● 19 से 25 मई 2024

|| योगेन्द्र यादव ||

देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के चार चरणों में 378 सीटों पर वोटिंग हो गई है। तीन चरणों की वोटिंग अभी भी बची हुई है। चुनाव जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है और दिलचस्प होता नजर आ रहा है। इस बीच पार्टियों को मिलने वाली सीटों को लेकर कयासबाजियों का भी दौर जारी है।

इसी कड़ी में चुनावों पर नजर रखने वाले राजनैतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी और NDA को मिलने वाली सीटों का एक विस्तृत डेटा जारी किया है। योगेंद्र यादव के मुताबिक, इस चुनाव में बड़ा उलटफेर होता नजर आ रहा है।

इसके साथ ही बीजेपी और उसके गठबंधन को बहुमत मिलता नजर नहीं आ रहा है। आइए आपको बताते हैं बीजेपी को मिलने वाली सीटों को लेकर क्या है उनका अनुमान।

योगेन्द्र यादव ने बढ़ा दी भाजपा की टेंशन

चुनाव से पहले बीजेपी के पक्ष में था माहौल

राजनैतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव ने देशभर में अपनी यात्राओं के अनुभवों के आधार पर लोकसभा चुनाव 24 में बीजेपी और उसके गठबंधन NDA के प्रदर्शन को लेकर अपने आंकड़े बताएं है। योगेंद्र कहते हैं जब चुनाव का ऐलान हुआ उस समय ऐसा लगा था विपक्ष बीजेपी को 272 यानी बहुमत से पाने से नहीं रोक पाएगा। बीजेपी आराम से सरकार बना लेगी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने अपने लिए 400 पार का नारा भी दिया जो दिखाता है कि वो अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है और उनकी महत्वाकांक्षा क्या है।

पहले, दूसरे चरण के बाद पलट गया पूरा खेल

योगेंद्र यादव आगे कहते हैं कि, जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा है पहले और दूसरे चरण के लिए मतदान संपन्न हुए है मुझे देश के मिजाज में बदलाव महसूस हुआ। इसके बाद मुझे ऐसा लगा कि, बीजेपी 272 सीटों के नीचे

शेष पृष्ठ 2 पर

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने कपिल सिब्बल, 23 साल बाद नई पारी

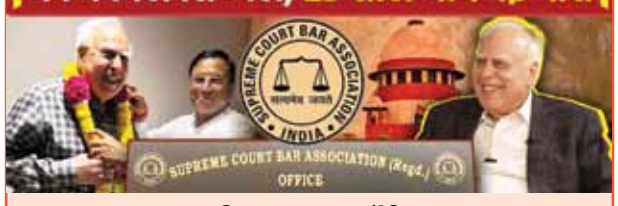

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बन गए हैं। सिब्ब्ल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को भारी मतों से हराकर एससीबीए के अध्यक्ष पद पर अपना कब्जा जमा लिया है। सिब्बल ने दो दशक बाद यह चुनाव लड़ा था। सिब्ब्ल की इस जीत के बाद ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई। हम सबकी मदद से इस महत्वपूर्ण संस्था में आपकी जीत से गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हम सभी के लिए लोकतंत्र के लिए अपनी इस जंग को जारी रखें। वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी इस जीत पर कपिल सिब्बल को बधाई देते हुए कहा कि बधाई सर, बहुत ही बेहतरीन खबर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि कपिल सिब्बल भारी मतों से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। ये उदार, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील ताकतों की बड़ जीत है। जयराम ने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो ये राष्ट्रीय स्तर पर जल्द ही होने वाले बदलावों का एक ट्रेलर है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के चुनाव में सिब्बल को कुल 2350 में से 1066 वोट मिले हैं जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप राय 689 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बता दें कि कपिल सिब्बल दो दशक बाद इस चुनाव में उतरे थे।

रायबरेली को अपना बेटा सौंप रही हूं

|| उमेश जोशी ||

रायबरेली में अखिलेश-राहुल की रैली में सोनिया गांधी भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा-मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे आपने मुझे अपना माना, वैसे ही राहुल को मानकर रखना है। राहुल आपको निराश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा-मैंने राहुल और प्रियंका को वही शिक्षा दी, जो रायबरेली और इंदिरा जी ने मुझे दी थी। सबका आदर करो। कमजोरों की रक्षा करो। अन्याय के खिलाफ जिससे भी लड़ना पड़े, लड़ पड़ो। डरना मत, क्योंकि न्याय और परंपरा की तुम्हारी जड़ें बहुत मजबूत हैं।

2019 चुनाव के बाद अब यानी 5 साल बाद रायबरेली में चुनावी मंच पर पहुंचीं सोनिया गांधी ने कहा-मैं काफी समय के

शेष पृष्ठ 2 पर

मैंने राहुल को शिक्षा दी है कि अन्याय के खिलाफ जिससे भी लड़ना पड़े लड़ो, डरना मत : सोनिया गांधी

हमारा सरकार से मोहभंग : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

|| विनीता यादव ||

जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अलवर में पत्रकारों से बातचीत में केन्द्र की मोदी सरकार, भाजपा, कांग्रेस व आप सहित अन्य पार्टियों पर भी खूब बरसे। उन्होंने कहा कि इस बार वाराणसी में गौसेवक आंध्र प्रदेश के पोलीसती के शिवकुमार ने सबसे पहले नामांकन दाखिल किया है। वे गौमाता गठबंधन में शामिल हैं और उनके अधिकृत प्रत्याशी हैं। अब वाराणसी के मेयर उनके प्रस्तावकों को डरा उनसे हटने के लिए दवाब डाल रहे हैं। भाजपा का प्रयास है कि प्रस्तावकों को हटाकर गौसेवक शिवकुमार का नामांकन खारिज करा दिया जाए। उन्होंने कहा कि गौमाता की रक्षा के लिए उनकी ओर से देश में कई

जगह प्रत्याशी खड़े किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गौहत्या पर रोक लगाने के लिए पांच महीने पहले भाजपा, कांग्रेस, आप सहित अन्य बड़ी पार्टियों से शपथ देने को कहा था, लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

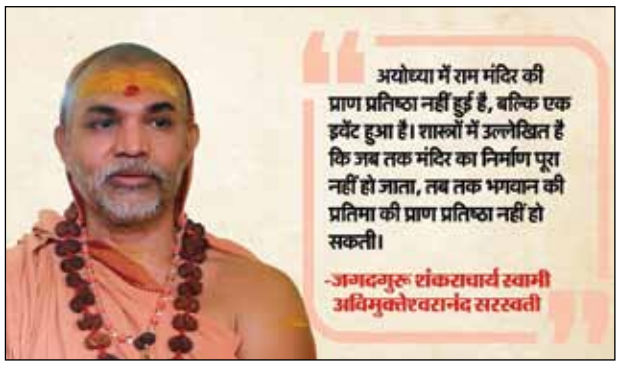

जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हम लोग गौमाता की रक्षा की बात उठा रहे हैं। यह प्रयास कोई लोकसभा चुनाव के लिए नहीं है, बल्कि हर रोज कोई न कोई चुनाव होते हैं। इस कारण हम देश के मतदाताओं को गौमाता की रक्षा के लिए संकल्पित कर रहे हैं।

शंकराचार्य ने कहा कि उन्हें खूब धमकियां मिल रही है, उन्हें बोलने से रोका जा रहा है, मारने की बात कही जा रही है, मठ उजाड़े, नकली शंकराचार्य खड़े करने की बात हो रही है, लेकिन देश में गोमाता की रक्षा के कार्य से वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे किसी पार्टी के खिलाफ नहीं है। भाजपा के हारने या जीतने से उन्हें कुछ नहीं मिलेगा। वे केवल गौहत्या का कानून चाहते हैं, राजनीति से उनका कोई सरोकार नहीं है। वे चाहते हैं कि उनके अनुयायियों के माथे पर लग रहा गौहत्या का पाप हटे। कारण है कि उनके वोट से सरकार बनती है और फिर वही सरकार गायों को कटवाने का कार्य करती है।

शंकराचार्य ने कहा कि देश में सच्चे हिंदुत्व की जरूरत है, न कि राजनीतिक हिंदुत्व की। दस साल सरकार में रहकर भी गायों को कटने से रोकने का कानून नहीं बना पाए, वे राजनीतिक

शेष पृष्ठ 2 पर

पीएमएलए के तहत ईडी नहीं कर सकती गिरफ्तारः सुप्रीम कोर्ट

|| डा. प्रदीप चतुर्वेदी ||

सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और उसके अधिकारी विशेष अदालत द्वारा संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अगर ईडी ऐसे किसी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन करना होगा।

धारा 44 के तहत एक शिकायत के आधार पर पीएमएलए की धारा 4 के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लेने के बाद, ईडी और उसके अधिकारी शिकायत में

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

ईडी के पैरों पर सुप्रीम कोर्ट ने डाली बेड़ियाँ

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईड़ी के अधिकारियों द्वारा जिस तरह से पीएमएलए कानून में गिरफ्तारियां की जा रही थी। गिरफ्तारी करने के बाद सबूत तलाशे जाते थे। जिन लोगों को ईड़ी गिरफ्तार कर लेती थी। उन्हें महीनों और सालों तक जांच और चार्ज शीट पेश करने के नाम पर जेल में बंद रखकर प्रताड़ित किया जाता था। दिल्ली के शराब घोटाले मामले में 2 साल से आरोपी जेल में बंद है। हनुमान जी की पूंछ की तरह शराब घोटाले में आरोपियों और गिरफ्तारियों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही थी। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से पीएमएलए कानून में विशेष प्रावधान होने के कारण न्यायपालिका जमानत नहीं दे सकती थी। ईड़ी की कार्यप्रणाली को लेकर धीरे-धीरे खुलासे हुए। तब जाकर सुप्रीम कोर्ट को समझ आया, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कानून में मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। बिना नियम कानून का पालन किये मनमाने तौर पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग कानून में दोहरे प्रावधान होने के कारण आरोपियों को दो अलग-अलग परीक्षण से गुजरना होता था। ईडी के अधिकारी पीएमएलए कानून की धारा 19 तथा धारा 45 के नियमों के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुईया की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के पश्चात ईडी के अधिकारियों के पैरों पर कानून की बेड़ियां पहना दी हैं। अब ईडी के अधिकारी कानून के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग नहीं कर पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के ही न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता की खंडपीठ ने अरविंद केजरीवाल के मामले में भी अंतरिम जमानत देकर, ईडी की कार्य प्रणाली और ईडी के अधिकारियों द्वारा कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर जमकर लताड़ लगाई थी। ईडी के अधिकारियों द्वारा जो मनमानी की जा रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उस पर रोक लग जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अब धारा 19 में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे, जब तक इसकी अनुमति स्पेशल कोर्ट से न ली गई हो। गिरफ्तारी के पहले अधिकारियों को न्यायालय में सबूत प्रस्तुत करने होंगे। न्यायालय की संतुष्टी होने पर गिरफ्तारी की अनुमति मिलेगी। बिना सबूत, केवल आरोप के आधार पर अब किसी की गिरफ्तारी संभव नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है, जो आरोपी कोर्ट के सामने पेश हो जाता है। उसके संबंध में कोई भी निर्णय करने का अधिकार केवल न्यायपालिका को होगा। किसी भी कार्यवाही के लिए विशेष अदालत से ईडी को पूर्व अनुमति लेना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है। उसके अनुसार कोर्ट पहले सरकारी वकील को सुनेगा। उसके बाद यदि कोर्ट संतुष्ट होगी, आरोपी दोषी नहीं है, या उसकी गिरफ्तारी जरूरी है। ऐसे सभी मामलों में न्यायालय द्वारा निर्णय लिए जाएंगे। अदालत को ऐसा लगता है, जमानत मिलने के बाद आरोपी अपराध नहीं करेगा। तो विशेष अदालत (ट्रायल कोर्ट) भी आरोपी को जमानत दे सकेगी। पिछले दो-तीन वर्षों में ईडी के अधिकारियों का खौफ सारे देश में सभी वर्गों के ऊपर फैल गया था। पीएमएलए कानून में लंबे समय तक जमानत नहीं होती थी। दोहरे कानून होने के कारण न्यायालय से भी गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत नहीं मिल पा रही थी। विपक्ष लगातार आरोप लगाता था, सरकार के इशारे पर ईड़ी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं पर जानबूझकर आरोप के आधार पर जेल भेज रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद डरा-धमका कर बयान लेने और सबूत जुटाने का प्रयास ईड़ी के अधिकारी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से ईडी का जो खौफ विपक्षी दलों के नेताओं, अधिकारियों, कारोबारी तथा सरकार से सवाल पूछने वाले लोगों के बीच में बना हुआ था। उससे अब लोगों को राहत मिलेगी। राजनीति में भी पारदर्शिता आएगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जवाब देही तय होगी। ईडी का कितना भय था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। करोड़ों रुपए की ठगी, नकली ईडी के अधिकारी बनकर ठग करने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय देर से आया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने साबित कर दिया है, कानून का राज सभी के ऊपर लागू होता है। सरकार और ईडी के अधिकारी इससे अलग नहीं हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से संविधान में वर्णित स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना सर्वत्र हो रही है। आपातकाल के दौरान जिस तरह का भय लोगों में 1975 में देखने को मिलता था। उससे ज्यादा भय अघोषित आपातकाल में ईडी का भय लोगों के मन में देखने को मिल रहा था। इस डर और भय से मुक्ति दिलाने का काम सुप्रीम कोर्ट ने किया है।

नोटबंदी से बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेठी में संयुक्त जनसभा की। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने आपकी जेब से पैसा निकालकर अडानी की जेब में डाल दिया है। सभी दुकानें बंद हो गईं। नोटबंदी कर दी तो बेरोजगारी और महंगाई बढ़ गई। हम पैसा देंगे तब युवा सबकुछ खरीद पाएंगे। जैसे ही यह पैसा मार्केट में जाएगा, सभी कंपनियां फिर से चालू हो जाएंगी। राहुल ने कहा कि 4 जून को अमेठी के सभी गरीबों की लिस्ट बनेगी। हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुना जाएगा। 5 जून को हम कानून बनाएंगे। हर गरीब महिला को साल में एक लाख रुपए दिए जाएंगे। इसी साल 4 जुलाई को 8 हजार 500 रुपए बैंक खाते में आएगा। हर महीने की

1 तारीख को खटाखट-खटाखट पैसे आएंगे। राहुल ने कहा कि जब आपने रोजगार मांगा तो मोदी जी ने कहा कि नाले में पाइप डालो, गैस निकलेगी। गैस से चूल्हा जलाओ और पकौड़े तलो। यह आपका अपमान है। अमेठी के युवाओं का अपमान है। राहुल ने कहा कि मेरे पापा ने 150 कोऑर्डिनेटर बनाए थे। उसमें किशोरी लाल शर्मा जी भी थे। किशोरी जी ने अमेठी में काम किया। आपके लिए काम किया। लेकिन आप बाकी कोऑर्डिनेटर को देखें, तो कोई कुछ न कुछ जरूर बन गया। कोई कहीं एमपी और एमएलए बन गए। सभी ने स्टेट तक चलाए। लेकिन किशोरी लाल ने 40 साल अमेठी की जनता को दिए हैं। इन्होंने आपके लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। अपना पूरा पॉलिटिकल करियर यहां की जनता को दिया है। इसलिए इन्हें एमपी बनाइए। राहुल ने कहा कि पक्की नौकरी मिलेगी। बेहतरीन ट्रेनिंग मिलेगी। बैंक अकाउंट में पहली तारीख को 8 हजार 500 रुपए खटाखट-खटाखट जाएगा। 4 जून के बाद हम यह योजना लागू करेंगे। राहुल ने कहा कि अग्निवीर सेना को नहीं चाहिए थी। यह तो नरेंद्र मोदी ने अडानी जी की मदद करने के लिए सेना पर थोपा है। इसलिए हम अग्निवीर को खत्म करेंगे।

पृष्ठ 1 का शेष

मोदी की कुर्सी खतरे में

आ गई है. तीसरे चरण के चुनाव के बाद मैं राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गया। इन राज्यों में लोगों से मिलने और माहौल देख कर मुझे यही लगा कि, बीजेपी 272 के नीचे आ गई है। दिलचस्प बात ये रही कि, मुझे इस चुनाव में पहली बार ऐसा अनुभव हुआ कि, बीजेपी के साथ-साथ NDA भी 272 सीटों के नीचे आ सकती है।

योगेंद्र ने बताया अपना पूरा गणित

प्रोफेसर योगेंद्र यादव ने एक वीडियो जारी कर राज्यवार बीजेपी को होने वाले फायदे और नुकसान को लेकर आंकड़े बताए। उन्होंने बताया कर्नाटक और महाराष्ट्र में बीजेपी को 10-10 सीटों का नुकसान, राजस्थान और गुजरात में 10 सीट का नुकसान, हरियाणा,पंजाब, दिल्ली, हिमाचल और चंडीगढ़ में बीजेपी को 10 सीटों का नुकसान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में 10 सीटों का नुकसान, 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में 15 सीटों का नुकसान, ऐसे ही बिहार में 15 सीटों का नुकसान, पश्चिम बंगाल और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों को मिलाकर 10 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है. वहीं अगर फायदे की बात करें तो तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना में NDA को 5 सीटों और आंध्र प्रदेश में 10 सीटों का फायदा हो सकता है।

रायबरेली को अपना बेटा सौंप रही हूं

बाद आप लोगों के सामने आई हूं। मेरा सिर आपके सामने श्रद्धा से झुका है। मुझे 20 साल तक सेवा का अवसर दिया। ये मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। रायबरेली मेरा परिवार है। मेरा घर है। मेरा घर मेरे जीवन की कोमल यादें यहां से जुड़ी हैं। इस मिट्टी से मेरा लगाव है। मां गंगा की तरह पवित्र ये रिश्ता अवध और किसान आंदोलन के साथ शुरू हुआ। आज तक कायम है। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए एक अलग जगह थी। मैंने उन्हें काम करते हुए करीब से देखा। उनके मन में आपके प्रति असीम लगाव था।

रायबरेली में सोनिया जब मंच पर पहुंची, उस वक्त राहुल का भाषण चल रहा था। प्रियंका मंच के नीचे उतरीं और हाथ पकडकर लाईं। राहुल माइक छोडकर मां के पास पहुंचे। मां को गले लगाया। वहीं, अखिलेश से सोनिया गांधी ने हालचाल पूछा। राहुल के नामांकन के दौरान भी सोनिया रायबरेली आई थीं। लेकिन वह किसी जनसभा में शामिल नहीं हुई थीं। राहुल ने कहा कि मैं कहता हूं कि खटाखट पैसे डलवाऊंगा, तो मोदी जी भी खटाखट-खटाखट करने लगते हैं राहुल गांधी ने कहा-प्रधानमंत्री बोलते हैं ताली बजाओ, तो मीडिया वाले वाह-वाह करते हैं। मैं कहता हूं कि मोदीजी अडाणी और अंबानी की बात नहीं करते हैं। अगले ही दिन मोदी दोनों की बात करते हैं। मैं कहता हूं कि खटाखट पैसे डलवाऊंगा। अगले दिन मोदी जी भी खटाखट-खटाखट करने लगते हैं। अब मैं मोदी जी से वो सबकुछ बुलवा सकता हूं। वो अपनी हार मान चुके हैं। वहीं, अखिलेश यादव ने मनोज पांडेय पर तंज कसा। उन्होंने कहा-सुनने में आया है कि हमारा दूसरा धोखेबाज भी वहीं चला गया है। जो अभी-अभी गया है धोखेबाज गया है, उसकी एक खासियत है कि वो जहां जाता है, वहीं गड्ढा खोदता है। इसलिए सावधान रहिए। आपके एक वोट से इन धोखेबाजों से भी हिसाब-किताब होगा।

हमारा सरकार से मोहभंग...

हिन्दू हैं। उन्होंने कहा कि सच बोलने वालों का विरोध होता है, हमें भी लाखों लोगों ने गालियां दी हैं।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा नहीं, केवल इवेंट हुआ

जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है, बल्कि एक इवेंट हुआ है। शास्त्रों में उल्लेखित है कि जब तक मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हो सकती।

अयोध्या में अभी राम मंदिर का केवल 30 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है, इस कारण वहां मंदिर निर्माण पूरा होने पर ही प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी, अभी तो केवल इवेंट हुआ है।

पीएमएलए के तहत ईडी नहीं कर सकती गिरफ्तारः सुप्रीम कोर्ट

आरोपी के रूप में दिखाए गए व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए धारा 19 के तहत शक्तियों का प्रयोग करने में असमर्थ हैं। यदि ईडी उसी अपराध की आगे की जांच करने के लिए समन की सेवा के बाद पेश होने वाले आरोपी की हिरासत चाहती है, तो ईडी को विशेष अदालत में आवेदन करके आरोपी की हिरासत मांगनी होगी। अभियुक्त को सुनने के बाद, विशेष न्यायालय को संक्षिप्त कारण दर्ज करने के बाद आवेदन पर आदेश पारित करना होगा। आवेदन पर सुनवाई करते समय, अदालत केवल तभी हिरासत की अनुमति दे सकती है जब वह संतुष्ट हो कि हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता है, भले ही आरोपी को धारा 19 के तहत कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए इस बात की जांच की कि क्या कोई आरोपी, जिसे पीएमएलए के तहत जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया है, ट्रायल कोर्ट द्वारा ईडी की शिकायत स्वीकार करने और समन जारी करने के बाद भी अदालत के सामने पेश होने पर कानून की जमानत शर्तों के अधीन होगा। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि क्या आरोपी पीएमएलए के तहत विशेष अदालत द्वारा जारी समन के अनुसार पेश होने पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के नियमित प्रावधानों के तहत जमानत मांग सकता है। एक सुनवाई में जस्टिस ओका ने टिप्पणी की कि शिकायत दर्ज होने के बाद ईडी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कानूनी मुद्दे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले से उपजे हैं, जिसमें राजस्व अधिकारियों से जुड़े कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को अंतरिम सुरक्षा दी थी। नवंबर 2017 में, सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए की धारा 45(1) को अमान्य कर दिया क्योंकि इसने मनी लॉन्ड्रिंग आरोपियों को जमानत देने के लिए दो अतिरिक्त शर्तें लगा दी थीं। हालाँकि, बाद में केंद्र ने पीएमएलए में संशोधन करके प्रावधान को बहाल कर दिया।

कन्हैया कुमार: चुनावी अभियान के लिए शुरू की क्राउडफंडिंग

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

पूर्वोत्तर दिल्ली से I.N.D.I.A ब्लॉक के उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने अपने अभियान को वित्तपोषित करने के लिए एक क्राउडफंडिंग पहल शुरू की। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र को बचाने के लिए लोगों की लड़ाई है और इसमें उनके समर्थन की आवश्यकता है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह चुनाव तानाशाही के खिलाफ और शांति, प्रगति और न्याय लाने के लिए है। उन्होंने कहा कि मैं कन्हैया कुमार, 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर पूर्वी दिल्ली से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं।

कन्हैया कुमार ने कहा कि मेरा जन्म बिहार में हुआ और न्याय के लिए मेरी लड़ाई बहुत छोटे रहते शुरू हो गई थी। मैं 'भारत' की परिकल्पना एक ऐसे समाज के रूप में करता हूं जो सभी के लिए शांति, समृद्धि और न्याय का वादा करता है। भारत के एक मजबूत और समावेशी भविष्य के निर्माण में मेरा साथ निभायें और नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके मेरे क्राउडफंडिंग अभियान का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि हम देश के 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों से अपील करना चाहते हैं कि आप हमारे चुनाव में भाग ले सकते हैं। और चुनाव प्रचार में शामिल होकर इस चुनाव अभियान को आगे बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि www.fueladream.com के माध्यम से अभियान में शामिल होकर कोई भी अपनी भूमिका निभा सकते है। उन्होंने कहा, "इस माध्यम से आप ऑनलाइन क्राउडफंडिंग से जुड़ सकते हैं। हम क्राउडफंडिंग के जरिए यह चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि हमें लगता है कि लोगों की लड़ाई लोगों के समर्थन से लड़ी जा सकती है।" कुमार ने कहा कि वे किसी अन्य ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से धन नहीं जुटा रहे हैं। बीजेपी ने इस सीट से सांसद मनोज तिवारी को मैदान में उतारा है. दिल्ली की सभी सात सीटों पर 25 मई को मतदान होगा।

कन्हैया कुमार के रोड-शो में रही भारी भीड़-कांग्रेस ने किया बड़ी जीत का दावा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली की उत्तर पूर्वी लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मनोज तिवारी का सामना कांग्रेस के कन्हैया कुमार से है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि मनोज तिवारी ने क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किया है। इसलिए जनता इस बार कन्हैया कुमार को निश्चित रूप से अपना सांसद चुनेगी। उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है।

पार्टी कार्यकताओं ने मोदी सरकार पर बेरोजगारी, नोटबंदी और महंगाई को लेकर जमकर हमला बोला। लोगों ने सरकार के खिलाफ रचनात्मक तरीके से गाना गाकर मोदी सरकार का विरोध किया। महिलाओं ने कहा कि उनके लिए प्रमुख चुनाव में प्रमुख मुद्दा उनकी सुरक्षा का है। पार्टी की महिला कार्यकताओं ने मणिपुर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह सरकार सिर्फ हिंदू मुसलमान करने में व्यस्त है। लोगों ने बीजेपी पर प्रभु श्री राम का नाम बदनाम करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अग्नि वीर योजना को लेकर भी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज बाप से पहले बेटा रिटायर हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुलवामा हमले को लेकर सरकार 5 साल में कोई भी जांच नहीं कर पाई है। लोगों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रचार झूठ का प्रचार है लेकिन क्षेत्र की जनता कन्हैया कुमार के साथ है। उन्होंने दावा किया कि कन्हैया कुमार उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से 3 से 4 लाख मतों से विजयी होंगे। युवाओं ने कहा कि उनके लिए चुनाव में प्रमुख मुद्दा रोजगार का है इसके अलावा उन्होंने मणिपुर लोकतंत्र और महिला शोषण को लेकर भी सरकार सवाल उठाए।

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ी

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया की न्यायिक हिरासत 30 मई तक बढ़ा दी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा अब समाप्त हो चुकी दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक आरोपी के रूप में नामित किया गया था। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किए जाने के बाद सिसोदिया की हिरासत बढ़ा दी।

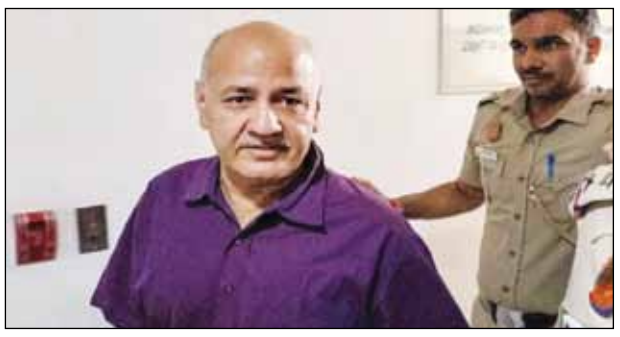

अदालत ने एक आरोपी अरुण पिल्लई द्वारा दायर अपील के आधार पर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित निदेशों के आलोक में सिसोदिया के खिलाफ आरोप तय करने पर बहस की सुनवाई भी स्थगित कर दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल 9 मार्च को शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया था। यह दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखने के ठीक एक दिन बाद आया है।

मामले में सिसौदिया के वकील ने उनके लिए जमानत की मांग करते हुए कहा कि जब उत्पाद शुल्क नीति मामले की बात आती है तो ईडी और सीबीआई अभी भी गिरफ्तारियां कर रही हैं और मुकदमे के जल्द समापन का कोई सवाल ही नहीं है। इसके अलावा, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी कि आम आदमी पार्टी को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी माना जाएगा।

नई दिल्ली लोकसभा सीट कांटे की टक्कर बांसुरी स्वराज के सामने सोमनाथ भारती

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

नई दिल्ली लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज का 'इंडिया गठबंधन' के प्रत्याशी सोमनाथ भारती से मुकाबला है। इस दौरान क्षेत्र में आम मतदाताओं से बात की।

एक महिला मतदाता ने कहा कि इस चुनाव में महंगाई और रोजगार बड़े मुद्दे होंगे। सांसद के कामकाज को लेकर उन्होंने कहा कि जीतने के बाद सांसद लोगों के बीच से नदारद रहते हैं। दूसरे अन्य लोगों ने केजरीवाल सरकार पर भरोसा जताते हुए आम आदमी पार्टी की जीत की का विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि आप की सरकार राज्य और केन्द्र दोनों जगह होनी चाहिए जिससे उन्हें काम करने में आसानी होगी। अन्य लोगों ने भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर अपना समर्थन जताया है।

एक बुजुर्ग मतदाता ने भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करते हुए कहा कि नई दिल्ली सीट पर बांसुरी स्वराज की जीत होगी और देश में भाजपा 400 सीट जीतने का अपना लक्ष्य भी पूरा करेगी। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा। लोगों ने दिल्ली सरकार द्वारा दी जा रही फ्री, बिजली, पानी और शिक्षा को लेकर केजरीवाल सरकार की तारीफ की है। तो वहीं युवा मतदाताओं ने चुनाव में महंगाई,विकास और राम मंदिर को भी प्रमुख मुद्दा बताया है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक बनी सुप्रिया भारद्वाज

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस पार्टी ने सुप्रिया भारद्वाज को अपना राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक नियुक्त किया है। पार्टी ने तत्काल प्रभाव से सुप्रिया भारद्वाज को यह जिम्मेदारी सौंपी है। सुप्रिया भारद्वाज के पास मीडिया इंडस्ट्री में काम करने का 16 साल का अनुभव है और वह कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुकी हैं। सुप्रिया भारद्वाज से पहले कांग्रेस का राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक का पद राधिका खेड़ा संभाल रहीं थी, लेकिन बीते दिनों उनके भाजपा में शामिल होने के बाद से यह पद खाली था।

राधिका खेड़ा बीते हफ्ते ही भाजपा में शामिल हुई हैं। राधिका खेड़ा ने बीते दिनों छत्तीसगढ़ में उनके साथ कथित दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। राधिका खेड़ा ने दावा किया था कि उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक पद पर सुप्रिया भारद्वाज की नियुक्ति का आदेश पवन खेड़ा ने जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुप्रिया भारद्वाज ने मास्टर ऑफ मास कम्युनिकेशन की डिग्री के साथ ही बीबीए की भी डिग्री हासिल की है।

दिल्ली में भाजपा उम्मीदवारों ने पार्कों में जाकर मॉर्निंग वॉक करने वालों से मांगा समर्थन

लोकसभा चुनाव में फिर से दिल्ली की सभी सातों सीटों पर चुनाव जीतने के मिशन में जुटी भाजपा के नेताओं और पार्टी उम्मीदवारों ने सुबह अलग-अलग इलाकों के पार्कों में जाकर मॉर्निंग वॉक और योग करने वालों तथा टहलने वाले लोगों से समर्थन मांगा।

भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, नई दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज, दक्षिण दिल्ली से उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी, उत्तर पश्चिम दिल्ली से उम्मीदवार योगेंद्र चंदोलिया सहित पार्टी के कई अन्य नेताओं ने दिल्ली के विभिन्न पार्कों में जाकर लोगों से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की।

फोटो : राजीव गुप्ता

पार्क में जाकर चुनाव प्रचार करने के बाद सचदेवा ने एक बार फिर से एनडीए गठबंधन के 400 पार के नारे को दोहराते हुए दावा किया कि भाजपा दिल्ली की सभी सातों सीटें जीतने जा रही है। बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस और आप के गठबंधन पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि मतदाता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों और विकसित भारत के संकल्प के लिए वोट करने जा रहे हैं।

सरकार बनते ही गरीबों को खटाखट पैसा देंगे

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने झांसी में संयुक्त रैली की। राहुल ने कहा- भाजपा वाले 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपए भेजे जाएंगे। यानी महीने 8500 रुपया खाते में खटाखट-खटाखट जाएगा। 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्जा माफ करने जा रहे हैं। जैसे हमने यूपीए सरकार में पहले किया था। राहुल ने कहा कि अग्निवीर योजना को हम फाडकर कचरे में फेंक देंगे, हम शहीदों के साथ भेदभाव नहीं होने देंगे। मुफ्त अनाज योजना कांग्रेस की सरकार लेकर आई थी, हमारी सरकार बनने पर हम

इसके तहत और अधिक, अच्छी क्वालिटी का राशन देंगे। गरीबों, किसानों, कमजोर लोगों की सरकार बननी चाहिए, अंबानी-अडानी की सरकार हटाई जानी चाहिए।

कॉरिडोर के नाम पर किसानों को बेवकूफ बनाया

राहुल ने कहा कि अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में डाल देंगे। एक शहीद को दर्जा मिलेगा, एक को पेंशन मिलेगी। दूसरे को शहीद का दर्जा और पेंशन नहीं मिलेगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसी योजना को फाडकर डस्टबीन में डाल देंगे। बीजेपी ने कॉरिडोर के नाम पर किसानों को बेवकूफ बनाया। सारा का सारा पैसा अरबपतियों को दे दिया। हिंदुस्तान की आम जनता को क्या दिया? 4 जून के बाद आंगनबाड़ी महिलाओं की आय दोगुनी हो जाएगी। हमारी सरकार आई, तो इनसे अच्छा और ज्यादा अनाज बांटेंगे।

हम 4 जून को कर्जा माफ करने जा रहे हैं

राहुल ने कहा कि 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्जा माफ करने जा रहे हैं। जैसे हमने यूपीए सरकार में पहले किया था। राहुल ने कहा कि वो 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। इन्होंने 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ कर्जा माफ किया। हमने 72 हजार करोड़ किसानों का माफ किया था। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। फिर उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपया भेजा जाएगा। महीने का 8500 रुपए खाते में डाला जाएगा। हमने मन बना लिया है, जितना इन्होंने पूंजीपतियों का पैसा माफ किया है उतना ही हम गरीबों को खटाखट पैसा देंगे।

माधवी लता ने पोलिंग बूथ पर हटवाया बुर्का

केस दर्ज

लोकसभा चुनाव में हैदराबाद से चुनाव लड़ रही भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के 90 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर गड़बड़ी हुई है। ऐसा तब हुआ जब वह उस समय विवादों में आ गईं जब एक मतदान केंद्र पर बुर्का पहने मुस्लिम महिलाओं की मतदाता पहचान पत्र की जांच करने का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के तुरंत बाद, चौथे चरण के मतदान के बीच, चुनाव अधिकारियों ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। उन्हें पुलिसकर्मियों से यह कहते हुए भी देखा गया कि मतदाताओं को पूरी जांच के बाद ही मतदान केंद्रों में जाने की अनुमति दी जाए।

माधवी लता ने कहा कि मुझे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि इसे बाहर फेंक दिया जाए... वे दरवाजा नहीं खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 90 फीसदी बूथों पर गड़बड़ी हुई है। पुलिस महिला सिपाहियों को वोटर आईडी से चेहरा जांचने का निर्देश नहीं देना चाहती। जब मैंने पुलिस अधिकारी से पूछा तो उन्होंने कहा कि यह उनकी जिम्मेदारी नहीं है। हाई-प्रोफाइल हैदराबाद सीट पर माधवी का मुकाबला एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और बीआरएस के गद्दाम श्रीनिवास यादव से है। वायरल वीडियो में वह आजमपुर के एक मतदान केंद्र पर महिला मतदाताओं से बुर्का उठाकर अपना चेहरा दिखाने के लिए कहती नजर आ रही थीं ताकि वह पहचान की पुष्टि कर सकें।

भाजपा उम्मीदवार ने कहा कि उन्होंने महिलाओं से केवल अपनी पहचान सत्यापित करने का अनुरोध किया था और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं एक उम्मीदवार हूं। कानून के अनुसार, एक उम्मीदवार को फेसमास्क के बिना आईडी कार्ड की जांच करने का अधिकार है। मैं पुरुष नहीं हूं, मैं एक महिला हूं और बहुत विनम्रता के साथ मैंने उनसे केवल इतना अनुरोध किया है - क्या मैं कृपया आईडी कार्ड देख और सत्यापित कर सकता हूं? अगर कोई इसे बड़ा मुद्दा बनाना चाहता है तो इसका मतलब है कि वे डरे हुए हैं।'

बीजेपी आरक्षण-लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने पर तुले हैं

॥ देव सागर सिंह ॥

राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भगवा पार्टी 'आरक्षण और लोकतंत्र को खत्म करने पर तुली हुई है।' लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच सोशल मीडिया पर लालू यादव ने लोगों से बीजेपी को वोट न देने की अपील की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्यारे देशवासियों, सतर्क और सावधान हो जाइए! भाजपा आपका आरक्षण, देश का लोकतंत्र और संविधान खत्म करने पर तुल गया है।

देश का संविधान नहीं रहेगा तो देश में लोकतंत्र भी नहीं रहेगा। आप देश के समान रूप से नागरिक भी नहीं रहेंगे। आप ऐसे नागरिक नहीं रहेंगे जिनके पास अधिकार होंगे, संवैधानिक सुरक्षा और उपचार के उपाय हों। आप चंद लोगों के गुलाम मात्र रह जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान है तो आरक्षण है और आरक्षण है तो गैर बराबरी, उत्पीड़न एवं अत्याचार से सुरक्षा है। समानता का भाव है, उपचार है। उन्होंने कहा कि भाजपाई चाल चरित्र से समता विरोधी हैं। ये लोग संविधान व आरक्षण खत्म कर समाज में गैर बराबरी बढ़ा लोगों को पुनः मानसिक गुलाम बनाना चाहते हैं। बार-बार भाजपा के नेता स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं, नया संविधान बनाना चाहते हैं, आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं लेकिन आरक्षण और संविधान विरोधी बयानबाजी पर प्रधानमंत्री मोदी और उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किसी भी नेता और प्रत्याशी पर कभी भी कोई भी कार्रवाई नहीं की है। स्पष्ट दिखता है उन्हें जानबूझकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से हरी झंडी मिली हुई है। अपने ऐसे बयानों से भाजपाई लोग आरक्षण और संविधान के प्रति आपकी गंभीरता, सजगता और प्रतिबद्धता को जाँचते हैं।

लालू ने कहा कि अगर आज आप संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में अपना योगदान नहीं करेंगे तो आप और आपकी आने वाली पीढ़ियाँ उसी प्रताड़ना और उपेक्षा के दुष्चक्र को जियेंगीं जिसे कभी आपके पूर्वजों ने जिया था। आपके उलाहना, उत्पीड़न और अभाव के पुराने दिन वापस आएंगे और हाथ मलने के अलावा आपके पास कोई उपाय नहीं रह जाएगा। इसलिए लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और संविधान व आरक्षण विरोधी बीजेपी को कड़ा सबक सिखाएं।

धीमी रफ़्तार से तय हुआ आधा सफर-क्या ऐसा ही रहेगा बाकी सफर?

॥ प्रदीप शर्मा ॥

देश में लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण संपन्न हो गया। कहने को चार चरण और बचे हैं, लेकिन कुल 283 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान हो चुका है, जबकि बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। ऐसे में कहा जा सकता है कि हम मध्य अप्रैल से लेकर जून के पहले सप्ताह तक फैले इस चुनावी सफर का आधा रास्ता तय कर चुके हैं।

इस बार अब तक के चुनावों का सबसे दिलचस्प पहलू मतदान प्रतिशत साबित हुआ है। शुरूआती दोनों दौर में वोटिंग 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के मुकाबले कम रही। तीसरे चरण में भी यह ट्रेंड बदलता नहीं दिखा। हालांकि चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़े आने में अभी वक्त है, फिर भी शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक कुछ खास राज्यों और चुनाव क्षेत्रों में भले वोट प्रतिशत कुछ ज्यादा हो, राष्ट्रीय औसत देखते हुए कहा जा सकता है कि मतदाताओं में कोई अतिरिक्त उत्साह इस बार भी नजर नहीं आया।

यह तथ्य दिलचस्प इसलिए भी बन गया है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों खेमे इसकी अपने मुताबिक व्याख्या करते हुए इसे जीत के अपने दावे का आधार बना रहे हैं। सत्तारूढ़ NDA का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता को ध्यान में रखें तो साफ हो जाता है कि BJP और सहयोगी दलों के

समर्थक मतदाता पहले की तरह वोट दे रहे हैं। वे इसमें BJP की चुस्त चुनावी मशीनरी की भूमिका को भी रेखांकित करते हैं। इसके विपरीत विपक्षी खेमे का कहना है कि 2014 और 2019 के चुनावों को मोदी समर्थक मतदाताओं के उत्साह ने ही खास बनाया था। इस बार लोगों में वैसा जोश नहीं है। वे कहते हैं कि यह तथ्य जैसे वोटिंग प्रतिशत में नजर आया है, वैसे ही रिजल्ट में भी दिखेगा।

इस चुनाव प्रक्रिया की जीवंतता का एक उदाहरण यह भी है कि अब तक के दौरों में वोटरों के रेस्पॉन्स के आधार पर विभिन्न दलों की प्रचार शैली में खास बदलाव दिख रहा है। पहले और दूसरे चरण के बाद चुनाव प्रचार ज्यादा तीखा होता दिखा। न केवल राजनीतिक दल एक-दूसरे को लेकर ज्यादा आक्रामक हुए बल्कि ऐसे मुद्दों पर उनका जोर बढ़ा जो आम मतदाताओं को उद्वेलित करके उन्हें चुनाव बूथों तक जाने को प्रेरित करे।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में हर चुनाव ही खास होता है, फिर भी ये चुनाव विशेष रूप से देश-विदेश का ध्यान खींच रहे हैं तो उसकी वजह यह भी है कि विपक्ष ने इस बार लोकतंत्र को भी चुनावी मुद्दा बना दिया है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष भी पीछे न रहते हुए यह आरोप लगा रहा है कि विदेशी ताकतें इन चुनाव नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश में हैं। खैर, इन सब पर जनता क्या सोचती है, यह तो 4 जून को नतीजों के आने पर ही पता चलेगा।

इस चुनाव में भी ये तो साबित कर दिया कि चुनाव आयोग के दिशा निर्देश कोई काम नहीं आए। चुनावी रैली में जमकर धर्म के नाम पर वोट मांगे गए। जाति का भी खूब बोलबाला रहा, हिन्दू-मुस्लिम,पाकिस्तान भी लगातार चल ही रहा है। ये सभी मुद्दे हर चुनाव में चलते आ रहे है, लेकिन इस बार एक नए मुद्दे की भी खोज हुई वो है 'स्त्रीधन', चुनावी भाषण में इस बार सत्ता पक्ष की तरफ से महिलाओं को कहा गया कि अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो आपका मंगलसूत्र तक छीन लिया जायेगा।

चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले जनता को उम्मीद थी की इस बार वर्त्तमान सरकार पिछले 10 वर्ष की उपलब्धि जनता के सामने रखेगी और अगले 5 साल का Vision जनता को बताएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और क्या यही तो वजह नहीं है की इस बार जनता वोट डालने के अपने अधिकार में उतनी रुचि नहीं ले रही जितनी पहले करती थी।

पीआर सोसाइटी दिल्ली के प्रतिनिधिमंडल ने डॉक्टर शंकर गोयनका से मुलाकात की

पीआर सोसाइटी दिल्ली के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि विमान ड्रोन के लिए अग्रदूत और मन की बात के नायक, मोटिवेटर, TEDx स्पीकर डॉ. शंकर गोयनका से मुलाकात की, जिन्होंने लाखों किसानों और लखपति दीदियों के सपने को पूरा करने के लिए न केवल कृषि विमान ड्रोन विकसित किया है बल्कि उसे ग्रामीण अंचलों में पहुंचाने में प्रभावी योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मन की बात रेडियो प्रसारण में कृषि विमान ड्रोन के अभियान को आगे बढ़ाने और उसमें योगदान देने के लिए डॉ. शंकर गोयनका का विशेष उल्लेख किया था।

डॉ. शंकर गोयनका का व्यक्तित्व जुनून से प्रेरित, नवोन्मेषी और मानव पूंजी के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्प से भरा हुआ है। बातचीत के दौरान आपसी सहयोग और ज्ञान साझा करने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पीआर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. सर्वेश कुमार तिवारी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष विपिन खरबंदा, सचिव जी एस बावा, संयुक्त सचिव संचित शर्मा, गवर्निंग बॉडी के सदस्य डॉ. लता सुरेश, सुश्री प्रेरणा डालाकोटी और जेपी शर्मा ने किया।

मोदी सरकार की नीतियों की वजह से महंगाई चरम पर

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में चुनाव करने आई प्रियंका गांधी ने एक जनसभा में मोदी सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका ने कहा कि मोदी सरकार अमीरों के कर्जे माफ करती है उनके मंत्री के पुत्र किसानों को अपनी गाड़ियों के नीचे कुचल देते है लेकिन किसानों का कर्जा नहीं माफ करते हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी में रायबरेली के ऊंचाहार इलाके लोकसभा चुनाव में अपने भाई कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि रायबरेली से उनका पीढ़ियों से नाता रहा है और रायबरेली की जनता यहां से चुने गए कांग्रेस के नेताओं की जवाबदेही होती थी। उन्होंने आरोप लगाया वर्तमान सरकार

में यह जवाबदेही नहीं रह गई और यह लोग, जनता को धर्म के नाम गुमराह कर वोट हासिल कर रहे है और मोदी सरकार की नीतियों की वजह से महंगाई आज आसमान पर पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि आज गैस का सिलेंडर 11 सौ का हो गया है जबकि पहले यही सिलेंडर 400 रुपए का था। उस समय भाजपा के नेता सड़क पर सिलेंडर लेकर उतर आते थे। आज देश में 70 करोड़ लोग बेरोजगार है। अमीरी और गरीबी की खाई बढ़ती जा रही है। सड़कें, बिजली और पानी की जो सुविधाएं जैसी मिलनी चाहिए नहीं मिल रही है। आमलोग, युवा, किसान और गरीब परेशान है। उन्होंने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इनकी सरकार के एक मंत्री के पुत्र ने किसानों पर गाड़ी चढ़ा दी थी जिसमे कुछ किसान भाई मारे गए थे। मोदी सरकार आज पूंजीपतियों का कर्ज माफ कर देती है जबकि गरीब और किसानों के कर्ज माफ नहीं करती है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की बड़े पूंजीपतियों से साठगांठ है इसलिए देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे खदानें, बड़े खरबपतियों को दे दिए गए हैं और तो और त्रुटिपूर्ण कोरोना महामारी का टीका बनाने वाली कम्पनी से मोदी ने 52 करोड़ रुपए चंदा लिया है जबकि उस वैक्सीन से लोगों को दिल के दौरे पड़ सकते है। आज गांवों में आवारा पशु और छुट्टा जनावर खेत चर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार की नीयत सही हो तो समस्याओं का हल होता है लेकिन मोदी सरकार की नीयत सही नहीं है। यह सरकार आरक्षण बदलने की बात कह रही है और आज इसी चुनाव में देश का भविष्य निहित है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने पर किसानों, महिलाओं और नौजवानों के लिए अनेकों योजनाओं को लाया जाएगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य, नौकरी का अधिकार, पेपर लीक को खत्म करने का कठोर कानून बनाया जाएगा। हम कोटेदार को भी आर्थिक रूप से सबल बनाने की योजना लाएंगे।

राहुल गांधी जनता की समस्याओं को जानने और उनके निवारण के लिए चार हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक पत्रकार को एक जनसभा में भाजपा के लोगों द्वारा पीटा गया क्योंकि उसने उन महिलाओं का वीडियो बना लिया था जिसमें उन महिलाओं ने कहा था कि उन्हें पैसे देकर बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सच्चाई छिपाना चाहती है जबकि राहुल गांधी हमेशा अन्याय खिलाफ लड़ने का जज्बा रखते हैं। प्रियंका गांधी ने लोगो से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी को चुनाव में जिताने की अपील की।

केजरीवाल और अखिलेश ने प्रेस कांफ्रेंस में किया दावा

भाजपा 220 सीट से ज्यादा नहीं जीतेगी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

हाल ही में जेल से छूटकर आए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर अपनी फील्डिंग जमाना शुरू कर दी है। उन्होनें सपा के मुखिया अखिलेश यादव के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस कर कई दावे किए। उन्होंने कहा कि पंजाब में एक भी सीट भाजपा को नहीं मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए कहा, पीएम मोदी अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं।

अगर बीजेपी इस बार के लोकसभा चुनाव में जीत गई तो योगी आदित्यनाथ को दो-तीन महीने में सीएम पद से हटा दिए जाएंगे और अमित शाह को पीएम मोदी अपना वारिस बनाएंगे। केजरीवाल ने कहा, मोदी जी ने 2014 में एक

रूल बनाया था कि 75 साल से अधिक उम्र के लोगों को संगठन और सरकार में नहीं रखा जायेगा। ऐसे तमाम लोगों को हटाया गया है। मोदी जी ने तय कर लिया है की अगले साल सितम्बर महीने में अमित शाह जी को वो अपना वारिस बनाएंगे, जो लोग अमित शाह के लिए बाधा बन सकते थे उन सब को एक-एक करके खत्म कर दिया गया।

सीएम योगी ने कहा, एक ही शख्स उनके लिए कांटा बन सकता है, वो है योगी आदित्यनाथ। मैंने दिल्ली में बात उठायी थी, जिसके बाद भाजपा के नेताओं ने ये बात रखी की मोदी जी को नहीं हटना चाहिए। लेकिन मोदी जी ने खुद कुछ नहीं कहा। योगीजी पर जो मैंने कहा उस पर भाजपा के किसी नेता ने कुछ नहीं कहा, इसका मतलब है की उनका हटना तय है। पिछले चार-पांच महीने से कह रखा है की 400 पार, लोगों ने पूछा की क्या बड़ा काम करना चाहते हैं। इनको 400 पार इसलिए चाहते हैं की ये रिजर्वेशन खत्म करना चाहते हैं। भाजपा को 250 से भी नीचे 220 सीट आ रही है। वहीं अखिलेश यादव ने कहा, ह्यबीजेपी चारों खाने चित हो चुकी है। उनके आंसू की नदियां उफान पर हैं। ये बात सही है की वो आरक्षण पर सबसे पहले हमला करेंगे। यूपी, दिल्ली और पंजाब में इन्हें कुछ हासिल नहीं होने वाला है। संविधान बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा। भाजपा की साजिश को आम लोग समझ गए हैं। अभी तक तो कहते थे की ये सबसे बड़ा झूठ बोल रहे हैं। अब लग रहा है की ये ब्रह्माण्ड का सबसे बड़ा झूठ का यूनिवर्सिटी खोलेंगे।

प्रधानमंत्री सिर्फ मंदिर-मस्जिद के बारे में बात करते हैं- महंगाई पर चुप रहते हैं: तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने महंगाई के मुद्दे पर केंद्र की भाजपा की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासन के दौरान भाजपा के लिए मंहगाई डायन हुआ करती थी लेकिन अब महबूबा बन गई है। यादव ने भाजपा पर नफरत की राजनीति करने और हिंदू-मुस्लिम के नाम पर भेदभाव फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने झारखंड के चतरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, जब संप्रग की सरकार के दौरान रसोई गैस सिलेंडर 400 रुपये था तब भाजपा मंहगाई को डायन कहती थी, लेकिन जब एलपीजी सिलेंडर 1200 रुपये को पार कर गया है तो यह उसके लिए महबूबा बन गई है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ हिंदू-मुस्लिम,

मंदिर-मस्जिद, सनातन-इस्लाम की बात करते हैं, लेकिन वह देश के सबसे बड़े मुद्दों जैसे महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल में झारखंड के चतरा का दौरा किया, लेकिन राज्य के विकास के बारे में एक भी शब्द नहीं बोला और न ही अगले पांच वर्ष में इसके विकास का कोई रूपरेखा बतायी। यादव ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक साजिश के तहत सलाखों के पीछे भेजा गया।

यादव ने कहा, उन्होंने हमारे परिवार के खिलाफ ईडी, सीबीआई का भी इस्तेमाल किया, लेकिन हम एजेंसियों से डरने वाले नहीं हैं। चतरा लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार केएन त्रिपाठी के लिए वोट मांगते हुए उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है, तो एक करोड़ युवाओं को नौकरी दी जाएगी, रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपये तक की जाएगी और 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। यादव ने पीठ में चोट लगने के कारण कुर्सी पर भाषण बैठकर दिया। उन्होंने कहा, डॉक्टर ने मुझे कम से कम तीन हफ्ते तक आराम करने की सलाह दी। लेकिन, मैंने डॉक्टर से कहा कि आराम करने का मेरा समय नहीं है, बल्कि मोदी जी को आराम करने के लिए भेजने का समय है।

ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन को समर्थन देने के बयान पर बिहार में सियासत गरमाई

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बाहर से समर्थन देने के बयान को लेकर बिहार की सियासत गर्म हो गई है। एनडीए के नेता जहां इस बयान को लेकर निशाना साध रहे हैं, वहीं, महागठबंधन के नेता बचाव में उतर गए हैं।

बिहार के मंत्री मंगल पांडेय ने ममता बनर्जी के बयान पर कहा कि बंगाल में लड़ाई और दिल्ली में मलाई यह कैसे चलेगा। ममता बनर्जी को इस बात का अंदाजा हो गया है कि हार सुनिश्चित है।

उन्होंने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार नहीं बन रही है। भाजपा पश्चिम बंगाल में 30 से अधिक सीट जीत रही है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हार सुनिश्चित है और इंडिया गठबंधन की हार सुनिश्चित है।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि यह उनका अपना मत है। यह तो अच्छी बात है। वह यदि बोल रही हैं कि हम सरकार को बाहर से समर्थन देंगे तो यह काफी अच्छी बात है। इसमें यह समझना चाहिए कि हमारी सरकार बनने जा रही है और इसको लेकर हमें टेंशन लेने की जरूरत नहीं, भाजपा के सोचने वाली बात है।

महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश साहनी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हमारे इंडिया गठबंधन को समर्थन देंगी तो यह हमारे लिए अच्छी बात है। ममता बनर्जी को भी पता चलने लगा है कि हमारी सरकार बनने जा रही है। भाजपा को तो कोई समर्थन देने के लिए नहीं आ रहा है। सब नेता को पता है कि भाजपा की सरकार बनने नहीं जा रही है।

लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि इंडी गठबंधन भानुमति का कुनबा है। आम आदमी पार्टी पंजाब में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ रही है, जबकि दिल्ली में कांग्रेस के साथ है। वहीं, ममता बनर्जी अब इंडिया गठबंधन को समर्थन देने का ऐलान कर रही हैं। यहां किसी की कोई नीति और विचारधारा नहीं है।

कांग्रेस ने जो बनाया मोदी ने उसे अपने अरबपति दोस्तों को सौंप दिया

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

अमेठी में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। प्रियंका ने कहा कि अमेठी में बड़े से बड़ा नेता जनता के प्रति जवाबदेह बना। पूर्व पीएम राजीव गांधी प्रधानमंत्री रहते हुए भी पैदल गांव-गांव घूमते थे। आपकी समस्याओं को समझते थे और डांट भी सुनते थे। उन्होंने कहा कि ये आपकी राजनीति थी। ये इस देश की पुरानी परंपरा थी। लेकिन आज जो नेता हैं, उनकी कोई जवाबदेही नहीं है।

प्रियंका ने कहा कि अमेठी की जनता ने एक राजनीतिक सभ्यता स्थापित की। आपने मेरे माता-पिता को जिताया, क्योंकि उन्होंने जनता के लिए श्रद्धा के साथ काम किया। आज अमेठी में हरियाली है, लेकिन यहां पहले ऐसी जमीन थी, जिसमें उपज नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद राजीव जी ने सबसे पहले ऊसर सुधार और सिंचाई योजना शुरू की। फिर बड़े उद्योग और बीएचईएल, एचएएल जैसे संस्थान अमेठी में लाए। जब कोई नीति, नियत और निष्ठा से काम करता है, तब विकास होता ही है।

भाजपा पर वार प्रियंका ने कहा कि नरेंद्र मोदी कहते हैं कि 10 साल में इतना काम हुआ है, जितना 70 साल में नहीं हुआ है। सच्चाई यह है कि 70 साल में कांग्रेस ने जो भी बनाया, पीएम मोदी ने सारा अपने अरबपति दोस्तों को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिन कामों को बड़े स्तर पर शुरू किया, उन कामों को इस सरकार ने अधर में छोड़ दिया। आज देश का नौजवान रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है, महिलाएं और किसान महंगाई के कारण परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अपनी दुनिया में मस्त हैं। वह जनता से कट गए हैं। वह वाराणसी से सांसद हैं, लेकिन यहां की जनता के घर कभी नहीं गए। वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने अपने कार्यकताओं को हिदायत दी है कि यूपी में जिन लोकसभा सीटों पर सहयोगी कांग्रेस चुनाव लड़ रही है वहां वे यह मानकर पूरी ताकत लगाएं कि अपनी पार्टी का उम्मीदवार ही चुनावी मैदान में हैं। उनकी हिदायत रायबरेली और अमेठी में दिखाई देती हैं, क्योंकि कांग्रेस के चुनावी कार्यक्रमों में लाल टोपी पहने सपा समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहते हैं।

इंडिया गठबंधन जीतने वाला है भाजपा सत्ता से जाने वाली है

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी मनमानी से सरकार चलाते हैं। उनके अंदर बहुत अहंकार आ गया है। इसलिए, एक बात तय हो गई है कि इंडिया गठबंधन जीतने वाली है। भाजपा सत्ता से जाने वाली है।

रायबरेली और अमेठी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ झूठ बोलती है। कांग्रेस पार्टी के साथ रायबरेली और अमेठी का रिश्ता 100 साल का है। पीएम मोदी आज गांधी परिवार को गाली देते नहीं थकते। वे इंदिरा गांधी और राजीव गांधी पर भी अपनी राजनीतिक टीका-टिप्पणी करते हैं। वह भूल जाते हैं कि वो देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में बात कर रहे हैं, जिन्होंने इस देश के लिए अपना सब कुछ लुटा दिया। यहां तक की अपनी जान भी कुर्बान कर दी।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की शहादत का मजाक उड़ाने के लिए कहते हैं कि वो ऐसा कानून लाए, जिससे वो इंदिरा जी की संपत्ति हड़प सकें। मगर मोदी जी भूल जाते हैं कि पंडित नेहरू ने अपनी 98 फीसद सम्पति देश को समर्पित कर दी थी। जिसकी आज कुल कीमत करीब 12 हजार करोड़ रुपये होगी।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने हमारी सेना के लिए अपने गहने तक दे दिए। नरेंद्र मोदी पूछते हैं कि कांग्रेस ने 55 साल में क्या किया? कांग्रेस ने 55 साल में क्या किया, हम उसकी लिस्ट दे देंगे। आप अपने 10 साल का हिसाब दीजिए। पीएम मोदी ने कभी 15 लाख रुपए देने की बात की तो कभी 2 करोड़ नौकरियां देने की। लेकिन, किया कुछ भी नहीं।

उन्होंने कहा कि अगर सत्ता के लिए लड़ते तो 2004-2009 में सोनिया गांधी देश की प्रधानमंत्री बन जातीं। लेकिन, उन्होंने कहा कि वो प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहती, वो सिर्फ देश की सेवा करना चाहती हैं। लेकिन, आज देश में सत्ता के लिए लड़ने वाले लोग हैं। राहुल गांधी रायबरेली के शेर हैं, गरीबों के लिए लड़ने वाले सिपाही हैं। रायबरेली को फिरोज गांधी से लेकर इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, सभी ने संभाला है। अब राहुल संभाल रहे हैं। वह कहते हैं कि रायबरेली हमारी कर्मभूमि है, हम यहीं से लड़ेंगे और यहीं पर अपने लोगों का मार्गदर्शन करेंगे।

लोकसभा चुनाव के चार चरणों में भाजपा चारों खाने चित हो गई

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बांदा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चार चरणों के वोट पड़े हैं, उसमें भाजपा चारों खाने चित हो गई है। आपने देखा होगा, अब तो आंसुओं की नदी बहने लगी है, इस बार आंसुओं का पानी खतरे के ऊपर बह रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं को धोखा देने का काम किया है। कोरोना काल में इन्होंने जो वैक्सीन लगवाई, आज वो लोगों की जान ले रही है। कंपनी कह रही है कि हम वैक्सीन वापस लेंगे। शरीर में जो वैक्सीन चली गई, उसे कैसे वापस लिया जा सकता है?

सपा प्रमुख ने आगे कहा कि पेपर लीक नहीं हुए, सरकार ने पेपर लीक कराए हैं, क्योंकि, नौजवानों को नौकरी देनी ना पड़ा

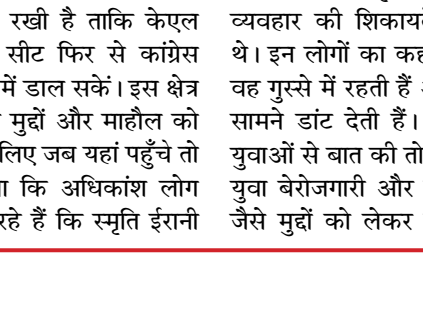

जाए, यह सरकार जानती है, अगर सरकारी नौकरी देंगे तो आरक्षण देना पड़ेगा, पीडीए के परिवार के नौजवानों को उनका हक देना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आज नौजवानों के सामने कोई नौकरी का रास्ता नहीं बचा और जब कभी नौकरी की परीक्षा हुई तो पेपर लीक हो गया। इस सरकार में 10 से ज्यादा परीक्षाएं रद्द हुई। भाजपा ने वादा किया था किसानों की आय दोगुनी करेंगे, किसी किसान की आय बढ़ी? इन्होंने केवल महंगाई बढ़ाई और खाद की बोरी से 10 किलो की चोरी की। बड़े-बड़े उद्योगपति बैंकों का पैसा लेकर भाग गए थे, वैसे ही नैनो यूरिया बनाने वाले भाग गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस बार जो देश का चुनाव होने जा रहा है, ये हमारे आपके भविष्य का चुनाव है। एक तरफ वो लोग हैं, जो संविधान को बचाना चाहते हैं और दूसरी तरफ वो लोग हैं, जो संविधान बदलना चाहते हैं।

बुंदेलखंड के लोगों ने मन बना लिया है और इस बार ऐसा संदेश जाना वाला है बुंदेलखंड से कि एक भी सीट जनता भाजपा को जीतने नहीं देगी। बुंदेलखंड की जनता भारतीय जनता पार्टी के अहंकार को खंड-खंड करेगी।

अमेठी में स्मृति ईरानी के खिलाफ नाराजगी देखकर भाजपा के होश उड़े

उत्तर प्रदेश के अमेठी संसदीय क्षेत्र को इस बार फिर से स्मृति ईरानी बनाम राहुल गांधी के चुनावी मुकाबले की उम्मीद थी लेकिन यह उम्मीदें तब धराशायी हो गयीं जब कांग्रेस ने सोनिया गांधी के प्रतिनिधि के रूप में काम करने वाले केएल शर्मा को चुनाव में उतार दिया। स्मृति ईरानी ने इस पर कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि डरो मत लेकिन यहां से चुनाव लड़ने की उन्होंने हिम्मत नहीं दिखाई। दूसरी ओर कांग्रेस का कहना है कि जब केएल शर्मा ही स्मृति ईरानी को हरा सकते हैं तो राहुल गांधी को यहां से उतारने की जरूरत ही नहीं थी। हालांकि इस इलाके में घूमने के बाद हमें महसूस हुआ कि यदि कांग्रेस यहां से राहुल गांधी को उतारती तो नतीजा उसके पक्ष में जा सकता था क्योंकि यहां बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जोकि गांधी परिवार से जुड़े रहे हैं और उनका कहना था कि हमने अपनी नाराजगी पिछले चुनाव में दिखा दी थी अगर इस बार राहुल यहां से आते तो हम उन्हें ही चुनते क्योंकि उनके परिवार

ने इस क्षेत्र के लोगों के लिए काफी कुछ किया है।

स्मृति ईरानी के लिए जहां भाजपा का पूरा आलाकमान प्रचार कर रहा है और प्रदेश पार्टी नेतृत्व से जुड़े लोगों ने भी अमेठी में भाजपा के किले को बचाने के लिए पूरा जोर लगाया हुआ है वहीं कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी के तमाम नेताओं की फौज खड़ी कर रखी है ताकि केएल शर्मा यह सीट फिर से कांग्रेस की झोली में डाल सकें। इस क्षेत्र के चुनावी मुद्दों और माहौल को जानने के लिए जब यहां पहुँचे तो हमने पाया कि अधिकांश लोग यह मान रहे हैं कि स्मृति ईरानी यहां हमेशा सक्रिय रही हैं और छोटे बड़े कार्यकताओं के यहां ही नहीं बल्कि आम लोगों के घर जाकर उनका दुख-दर्द दूर करने का प्रयास करती रही हैं। लोगों ने यह भी कहा कि स्मृति ईरानी ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी बड़ी संख्या में लोगों को दिलाया है। लेकिन हमें कुछ लोग ऐसे भी मिले जोकि स्मृति ईरानी के व्यवहार की शिकायतें कर रहे थे। इन लोगों का कहना था कि वह गुस्से में रहती हैं और सबके सामने डांट देती हैं। हमने जब युवाओं से बात की तो अधिकांश युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर सरकार से नाराज नजर आये। इन युवाओं का कहना था कि यह सही है कि मोदी जी ने कई बड़े काम किये हैं लेकिन युवा के लिए परीक्षा और नौकरी हासिल करना बेहद बुनियादी चीज है लेकिन पेपर लीक हो जा रहा है और भर्तियां निकल नहीं रही हैं। इस तरह की नाराजगी को दूर करने के लिए भाजपा संगठन के नेता तमाम प्रयास कर रहे हैं। भाजपा जानती है कि अमेठी से पहले भी एकाध बार अन्य प्रत्याशी जीतते रहे हैं लेकिन अगले चुनाव में यह सीट फिर गांधी परिवार के पास आ जाती है इसलिए पार्टी सारे समीकरण साधने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

जब हमने लोगों से केएल शर्मा के बारे में पूछा तो सभी ने कहा कि यह सही है कि वह कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं को पहचानते हैं लेकिन वोट सिर्फ कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं को नहीं बल्कि पूरी जनता को देना है। लोगों ने कहा कि आम जनता से केएल शर्मा का कोई वास्ता नहीं है। वह यहां के गली-मोहल्लों को जानते होंगे लेकिन लोगों से उनका कोई सीधा संवाद नहीं है। कई लोगों ने बताया कि वह यहां तभी आया करते थे जब गांधी परिवार का कोई व्यक्ति यहां आने वाला हो। दूसरी ओर स्मृति ईरानी के बारे में लोगों का कहना था कि उन्हें सब जानते हैं और वह सबको जानने लगी हैं और अब तो उन्होंने अपना स्थायी आवास भी यहां पर बना लिया है जिससे जब भी कोई काम पड़ेगा तो हमें दिल्ली जाने की बजाय यहीं पर अपने जनप्रतिनिधि से मिलकर समस्या का समाधान निकलवाने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

इस क्षेत्र में यादव और मुस्लिम मतदाता बड़ी संख्या में हैं जब हमने उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि यादव समाज का सारा वोट समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन को नहीं बल्कि भाजपा को जायेगा क्योंकि उसने इस क्षेत्र के विकास के लिए कई काम किये हैं और कोरोना जैसी महामारी के समय सबका ध्यान रखा है। कई मुस्लिमों ने भी हमसे कहा कि यह एक धारणा है कि मुसलमान भाजपा को वोट नहीं करता। उन्होंने कहा कि जिस तरह बड़ी संख्या में मुस्लिमों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर मिले हैं और घर में नल से पानी आने लगा है वह हमारे लिए अकल्पनीय है और इसके लिए हम मोदी जी का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे। बहरहाल, इस पूरे क्षेत्र का दौरा करने के बाद हमें साफ दिखा कि जहां भाजपा एक ओर स्मृति ईरानी को ढाई लाख वोटों के अंतर से जीत दिलाने के लिए दिन-रात लगी हुई है वहीं कांग्रेस के उम्मीदवार केएल शर्मा भी जीत हासिल करने के लिए जी-जान लगाये हुए हैं और शुरू में उनको जितना कमजोर प्रत्याशी समझा जा रहा था उतने कमजोर वह हैं नहीं।

दिल्ली में चांदनी चौक लोकसभा चुनाव प्रभारी पी.सी. जोशी ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान पार्टी प्रत्याशी जय प्रकाश अग्रवाल के साथ तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर पी.सी. जोशी ने कहा कि दिल्ली की हवा बदल रही है और जनता भाजपा के झूठे वायदों से तंग आ चुकी है और अब बदलाव के लिए कमर कस चुकी है।

अगर लोगों ने कमल का बटन दबाया तो मुझे फिर जेल जाना पड़ेगा

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इंडिया गंठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए रोड शो कर जनता से समर्थन मांगा।

केजरीवाल ने लोगों से कहा, "अगर आप कमल का बटन दबाओगे तो मुझे जेल जाना पड़ेगा। अगर पंजे का बटन दबाओगे तो मैं बाहर ही रहूंगा।"

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान चांदनी चौक लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्यासी जेपी अग्रवाल और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली से उम्मीदवार उदित राज के पक्ष में रोड शो किया।

उन्होंने मॉडल टाउन, चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में रोड शो निकाला और उसके बाद

फोटो : जगन नेगी

जहांगीरपुरी, उत्तर-पश्चिमी लोकसभा इलाके में पहुंचे। चांदनी चौक में रोड शो के दौरान केजरीवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, "इन्होंने मुझे जेल भेज दिया, मेरा कसूर बस इतना था कि मैंने आपके बच्चों के लिए शानदार स्कूल बनाए। मैंने आपके इलाज के लिए मोहल्ला क्लीनिक बनाए। मैंने 24 घंटे बिजली फ्री कर दी।"

उन्होंने कहा, "मैंने दिल्ली वालों के लिए मुफ्त में इलाज और दवा का इंतजाम कराया, लेकिन मुझे इन लोगों ने तिहाड़ जेल में डाला। इन्होंने वहां मेरा इंसुलिन बंद कर दिया। इन लोगों ने जेल में मुझे तोड़ने की पूरी कोशिश की। लेकिन, बजरंग बली के आशीर्वाद से मैं टूटा नहीं। अब ये लोग कह रहे हैं कि मुझे फिर से जेल जाना पड़ेगा। अगर जनता ने चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जेपी अग्रवाल को वोट देकर विजयी बनाया तो मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा।"

उन्होंने आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं से साफतौर पर कहा कि दूसरे नंबर पर पंजे का निशान है। आपको झाड़ू का निशान नहीं मिलेगा, इस बार पंजे के निशान पर ही बटन दबाना। इसके बाद अरविंद केजरीवाल का काफिला प्रचार के लिए उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में जहांगीरपुरी पहुंचा। यहां भी केजरीवाल ने रोड शो करते हुए चांदनी चौक क्षेत्र में किए गए काम गिनाते हुए जनता से अपील की कि वे पंजे का बटन दबाएं।

पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र को आदर्श लोकसभा बनाने का काम करुंगी: कमलजीत सहरावत

भारतीय ग्रामीण परिषद् के अध्यक्ष डॉ. राजबीर सोलंकी की अध्यक्षता एवं पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले के पूर्व सांसद प्रत्याशी शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय के सान्निध्य में बापडोला गांव में अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की सांसद प्रत्याशी कमलजीत सहरावत और भाजपा के दिल्ली प्रभारी ओमप्रकाश धनखड़ का क्षेत्रीय ग्रामीणों ने पगड़ी पहनाकर और फूल मालाओं से स्वागत किया। उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्रीमती कमला सहरावत ने कहा कि वह इसी क्षेत्र की रहने वाली है। सारी समस्याओं से परिचित हैं। इसलिए पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

वीआईटी के संस्थापक और चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन को स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त हुई

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के संस्थापक और चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने हाल ही में यूएसए में बिंघमटन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के दौरान स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (एसयूएनवाई) से मानद डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री प्राप्त की। बिंघमटन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष हार्वे स्टेंगर द्वारा डॉ. जी. विश्वनाथन को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. जी. विश्वनाथन को अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा में उनके योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। बिंघमटन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष हार्वे स्टेंगर ने कहा, "चांसलर विश्वनाथन भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और दुनिया भर के संस्थानों के साथ साझेदारी करने में अग्रणी रहे हैं।" बिंघमटन विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट डोनाल्ड हॉल, डीन प्रो. श्रीहरि कृष्णस्वामी, विधानसभा सदस्य सुश्री डोना ए. लुपार्डो, सीनेट सदस्य सुश्री लीया वेब, वीआईटी के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन, डॉ. शेखर विश्वनाथन और डॉ. जी. वी. सेल्वम, सहायक उपाध्यक्ष सुश्री कदम्बरी एस. विश्वनाथन और वीआईटी के अंतर्राष्ट्रीय संबंध निदेशक डॉ. आर. सीनिवासन भी दीक्षांत समारोह के दौरान उपस्थित थे।

इस बीच, डॉ. जी. विश्वनाथन के लिए वाशिंगटन डीसी, यूएसए में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्री कन्नन श्रीनिवासन, सीनेटर, सदस्य, वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स, डॉ. पी. करुणाकरन, प्रमुख, शिक्षा विंग, दूतावास सहित गणमान्य व्यक्ति शामिल

हुए। भारत, वाशिंगटन डीसी, बाला स्वामीनाथन, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ तमिल संगम्स इन नॉर्थ अमेरिका (एफईटीएनए), बालागन अरुमुगासामी, पूर्व अध्यक्ष फेडरेशन ऑफ तमिल संगम्स इन नॉर्थ अमेरिका (एफईटीएनए), डॉ. वीरा वेणुगोपाल, अध्यक्ष, तमिलनाडु फाउंडेशन, डॉ. प्रभु डेविड, प्रोवोस्ट, रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, डॉ. जयचंद्रन, पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, मोंटक्लेयर स्टेट यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, डॉ. श्रीदेवी सरमा, वाइस डीन, जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मैरीलैंड, डॉ. पनीर सेल्वम, अर्कांसस विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. वी. राजू, प्रोवोस्ट, वीआईटी बैंगलोर और श्रीमती इंदिरानी राधाकृष्णन, सलाहकार, वीआईटी एलुमनी एसोसिएशन, उत्तरी अमेरिका और वीआईटी एलुमनी एसोसिएशन उत्तरी अमेरिकी चैप्टर के पदाधिकारियों ने भी समारोह में भाग लिया।

गौरतलब है कि वीआईटी के संस्थापक और चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन को 2009 में वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

सिग्नेचर कैंपेन में महाबल मिश्रा ने आप पार्टी के विधायक के साथ भाग लिया

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी 7 सीटों के लिए मतदान 25 मई को होना है। इसके लिए हर पार्टी का उम्मीदवार जनता के बीच उतरकर अपना समर्थन सुनिश्चित करना चाहता है।

इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी (आप) ने पूरी तरीके से मोर्चा खोल रखा है। अलग-अलग कैंपेन चलाकर आम आदमी पार्टी के नेता-विधायक और पार्षद लोगों के बीच पहुंच रहे हैं।

पश्चिमी दिल्ली के लोकसभा सीट से उम्मीदवार महाबल मिश्रा भी मैदान में उतरे हुए हैं और अपना चुनाव प्रचार काफी तेज कर दिया है। महाबल मिश्रा 'सिग्नेचर कैंपेन' में पहुंचे और जनता से संवाद किया।

पश्चिमी दिल्ली लोकसभा की तिलक नगर विधानसभा में 'सिग्नेचर कैंपेन' की शुरूआत की गई। इसमें पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार महाबल मिश्रा, तिलक नगर विधानसभा में विधायक जरनैल सिंह, निगम पार्षद अशोक मानू मौजूद रहे।

महाबल मिश्रा ने 'सिग्नेचर कैंपेन' में भाग लेते हुए कहा कि इस कैंपेन के जरिए हर वोटर अपने आप को केजरीवाल समझ रहा है। यह जनता का जोश है। एक तरफ की गारंटी सिर्फ जुमला बन जाती है और केजरीवाल की गारंटी घर-घर दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि इस बार जनता अपने वोट की ताकत दिखाएगी कि वह किसे चाहती है। जनता के बीच में हमेशा जरनैल सिंह और मानू भाई मौजूद रहते हैं। जनता जानती है कि हम उनके सुख-दुख के साथी हैं, हमने काम किया है, आगे भी काम करेंगे।

बुद्ध पूर्णिमा

बुद्ध पूर्णिमा जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है यह पूर्णिमा भगवान गौतम बुद्ध से संबधित है। बौदध धर्म आज भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में फैला हुआ है। विश्व भर में लगभग 50 करोड़ से भी अधिक व्यक्ति बौद्ध धर्म का अनुसरण करते हैं। और इसके पीछे एकमात्र कारण है भगवान गौतन बुद्ध जिन्होने अपने ज्ञान से इस संसार के अंधेरों को दूर किया और मनुष्यों को झूठे आंडबरो से दूर हटा कर सत्य का मार्ग प्रशस्त किया। बुद्ध पूर्णिमा वैशाख माह की पूर्णिमा को मनाई जाती है। इसे वैशाख पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन को भगवान गौतम बुद्ध की जयंती के तौर पर मनाया जाता है। इसी दिन भगवान बुद्ध का जन्म एवं उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था। इसी दिन भगवान गौतम बुद्ध ने महापरनिर्वाण लिया था। यह दिन बुद्ध अनुयायियों के साथ-साथ हिन्दू धर्म के लोगों के लिए भी काफी बड़ा त्यौहार है। भगवान गौतम बुद्ध को भगवान विष्णु का नौंवा अवतार माना जाता है। बुद्ध भगवान बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। बौध धर्म को मानने वाले भगवान बुद्ध के उपदेशों का पालन करते हैं। भगवान बुद्ध का पहला उपदेश 'धर्मचक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। यह पहला उपदेश भगवान बुद्ध ने आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पांच भिक्षुओं को दिया था। भगवान बुद्ध ने जब अपने जीवन में हिंसा, पाप और मृत्यु को जाना तब उन्होंने मोह माया त्याग कर अपने गृहस्थ जीवन से मुक्ति ले ली और जीवन के सत्य की खोज में निकल पड़े। कई सालों तक बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे तपस्या कर जब उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई तो यह दिन पूरी सृष्टि के लिए खास दिन बन गया जिसे वैशाख पूर्णिमा या बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा को मनाई जाएगी।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व

वैदिक ज्योतिष के अनुसार यूं तो पूर्णिमा की हर तिथि पर विशेष महत्व होता है किंतु 'बुद्ध जयंती' तथा 'बुद्ध का निर्वाण प्राप्ति दिवस' होने के कारण 'वैशाख पूर्णिमा' का अत्यधिक महत्व माना गया है। हिंदुओं में हर महीने की पूर्णिमा विष्णु भगवान को समर्पित होती है। इस दिन तीर्थ स्थलों में गंगा स्नान को लाभदायक और पाप नाशक माना जाता है। लेकिन वैशाख पूर्णिमा का अपना-अलग ही महत्व है। इसका कारण यह बताया जाता है कि इस माह होने वाली पूर्णिमा को सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में होती है। यही वजह है कि जीवन में स्थायी सुख-शांति प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत तथा विशेष नियमों का पालन किए जाने का विधान बताया है। भगवान बुद्ध ने अपना संपूर्ण जीवन मानव जाति की सेवा में समर्पित कर दिया था। उन्होंने समाज में व्याप्त बुराईयों को रोका था। मूर्ति पूजा, बलि, झूठे आंडबरों का विरोध किया था। भगवान बुद्ध का मानना था कि ज्ञान एवं ईश्वर हमारे भीतर ही हैं। हमें बस उन्हें पहचानने की आवश्यकता है। ऐसी मान्यता है कि जो भी जातक इस दिन सच्चे मन से व्रत करता है, उसके जीवन से हर प्रकार गरीबी तथा दुखों का अंत होता है। वह धर्म की राह पर चलता है तथा शांतिपूर्ण एवं समृद्ध जीवन जीता है। असमय आने वाली परेशानियां जहां दूर होती हैं वहीं वह असमय या अकाल मृत्यु से भी वह बचा रहता है। अकाल मृत्यु को मोक्ष की प्राप्ति में बाधा माना गया है। इस दिन व्रत रखकर किसी जरूरतमंद को जल से भरा घड़ा तथा भोजन का दान करना मोक्षदायी तथा संपन्नता प्राप्त कराने वाला माना गया है। वैशाख पूर्णिमा पर स्वर्ण दान करना भी अति फलदायी माना गया है। बुद्ध अनुयायियों के बीच इस दिन सफेद वस्त्र धारण करने की भी विशेष मान्यता है। माना जाता है कि वैशाख की पूर्णिमा को ही भगवान विष्णु ने अपने नौवें अवतार के रूप में जन्म लिया। इसी दिन को सत्य विनायक पूर्णिमा के तौर पर भी मनाया जाता है, मान्यता है कि आज के दिन भगवान कृष्ण के बचपन के दोस्त सुदामा गरीबी के दिनों में उनसे मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान जब दोनों दोस्त साथ बैठे तब कृष्ण ने सुदामा को सत्यविनायक व्रत का विधान बताया था। सुदामा ने इस व्रत को विधिवत किया और उनकी गरीबी नष्ट हो गई। इस दिन धर्मराज की पूजा करने की भी मान्यता है। कहते हैं कि सत्यविनायक व्रत से धर्मराज खुश होते हैं। माना जाता है कि धर्मराज मृत्यु के देवता हैं इसलिए उनके प्रसन्न होने से अकाल मौत का डर कम हो जाता है।

महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय

गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। बुद्ध को एशिया का ज्योति पुंज कहा जाता है। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई. पूर्व के बीच शाक्य गणराज्य की तत्कालीन राजधानी कपिलवस्तु के निकट लुंबिनी नामक गांव नेपाल में हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे। बुद्ध के जन्म का नाम सिद्धार्थ था। सिद्धार्थ के जन्म के सात दिन बाद ही उनकी मां मायादेवी का देहांत हो गया था। सिद्धार्थ की सौतेली मां और मौसी प्रजापति गौतमी ने उनका पालन-पोषण किया था। सिद्धार्थ का 16 साल की उम्र में दंडपाणि शाक्य की कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। इनके पुत्र का नाम राहुल था। एक बार सिद्धार्थ अपने घर से टहलने के क्रम में दूर निकल गए। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने एक अत्यंत बीमार व्यक्ति को देखा, कुछ पल और चलने के बाद एक वृद्ध व्यक्ति को देखा, यात्रा के समापन में एक मृत व्यक्ति को देखा। और फिर एक योगी को अपने ही मस्त होता देखा। इन सबसे सिद्धार्थ के मन में एक प्रश्न उभर आई की क्या मैं भी बीमार पड़ूंगा। क्या मैं भी वृद्ध हो जाऊंगा, क्या मैं भी मर जाऊंगा क्योंकि सिद्धार्थ के पिता उन्हें हर दुख-हर तकलीफ से दूर रखते थे इसलिए उन्होंने अब तक इसे समझा ही नहीं था। सिद्धार्थ इन सब प्रश्नो से बहुत परेशान हो गए। तत्पश्चात सिद्धार्थ इन सबसे मुक्ति पाने की खोज में निकल गए। उस समय उनकी मुलाकात एक सन्यासी से हुई जिसने भगवान बुद्ध को मुक्ति मार्ग के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। तब से भगवान बुद्ध ने सन्यास ग्रहण करने की ठान ली। भगवान बुद्ध ने 29 वर्ष की उम्र में घर छोड़ दिया तथा सन्यास ग्रहण कर लिया। जिसे बौद्ध धर्म में महाभिनिष्क्रमण कहा जाता है सन्यासी बनने के पश्चात भगवान बुद्ध ने एक पीपल वृक्ष के नीचे 6 वर्ष तक कठिन तपस्या की। तत्पश्चात उन्हें सत्य का ज्ञान प्राप्त हुआ। वैशाख पूर्णिमा के दिन ही भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे सत्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जिसे सम्बोधि कहा जाता है तथा उस पीपल वृक्ष को बोधि वृक्ष कहा जाता है। जहाँ पर भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ वह स्थान बोधगया कहलाया। महात्मा बुध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में अपने पांच शिष्यों उकौण्डिन्य, वप्पा, भादिया, महानामा और अस्सागी को दिया था । बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया जिसे बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्र प्रवर्तन कहा जाता है। बुद्ध ने अपने उपदेश कौशल, कौशांबी और वैशाली राज्य में पालि भाषा में दिए। बुद्ध ने अपने सर्वाधिक उपदेश कौशल देश की राजधानी श्रावस्ती में दिए। बुद्ध की मृत्यु 80 साल की उम्र में कुशीनारा में चुन्द द्वारा अर्पित भोजन करने के बाद हो गई। जिसे बौद्ध धर्म में महापरिनिर्वाण कहा गया है।

बुद्ध जयंती समारोह

भारत में बुद्ध पुर्णिमा अर्थात बुद्ध जयंती समारहो काफी हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे वैसाख के नाम से मनाया जाता है। वैसाख उस दिन होता है जब चांद पूरा निकलता है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बुद्ध पूर्णिमा सबसे बड़ा त्योहार का दिन होता है। इस दिन अनेक प्रकार के समारोह आयोजित किए गए हैं। अलग-अलग देशों में वहाँ के रीति- रिवाजों और संस्कृति के अनुसार समारोह आयोजित होते हैं। इस दिन बौद्ध घरों में दीपक जलाए जाते हैं और फूलों से घरों को सजाया जाता है। दुनियाभर से बौद्ध धर्म के अनुयायी बोधगया आते हैं और प्रार्थनाएँ करते हैं। बौद्ध धर्म के धर्मग्रंथों का निरंतर पाठ किया जाता है। मंदिरों व घरों में अगरबत्ती लगाई जाती है। मूर्ति पर फल-फूल चढ़ाए जाते हैं और दीपक जलाकर पूजा की जाती है।

बोधिवृक्ष की पूजा की जाती है। उसकी शाखाओं पर हार व रंगीन पताकाएँ सजाई जाती हैं। जड़ों में दूध व सुगंधित पानी डाला जाता है। वृक्ष के आसपास दीपक जलाए जाते हैं। इस दिन मांसाहार का परहेज होता है क्योंकि बुद्ध पशु हिंसा के विरोधी थे। इस दिन किए गए अच्छे कार्यों से पुण्य की प्राप्ति होती है। पक्षियों को पिंजरे से मुक्त कर खुले आकाश में छोड़ा जाता है। गरीबों को भोजन व वस्त्र दिए जाते हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बोधगया में काफी लोग आते हैं। दुनिया भर से बौद्ध धर्म को मानने वाले यहां आते हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बोधिवृक्ष की पूजा की जाती है। बोधिवृक्ष बिहार के गया जिले में बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में है। वास्तव में यह एक पीपल का पेड़ है। मान्यता है कि इसी पेड़ के नीचे इसा पूर्व 531 में भगवान बुद्ध को बोध यानी ज्ञान प्राप्त हुआ था। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बोधिवृक्ष की टहनियों को भी सजाया जाता है। इसकी जड़ों में दूध और इत्र ड़ाला जाता है और दीपक जलाए जाते हैं। भगवान बुद्ध से अच्छे जीवन और ज्ञान की प्रार्थनाएं करते हैं। बुद्ध पूर्णिमा को विश्व में कई जगह मनाया जाता है।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक

19 से 25 मई 2024

मेष: इस सप्ताह आपको अपने रिश्तों में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, उचित संचार के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करें। आपको किसी रिश्तेदार से संबंधित चिकित्सा आपातकाल में भाग लेने के लिए यात्रा करने की भी आवश्यकता हो सकती है, इसलिए पहले से तैयार रहें।

वृषभ: यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करने पर विचार कर रहे हैं, तो सलाह दी जाती है कि इस सप्ताह ऐसा न करें क्योंकि यह व्यावसायिक दृष्टिकोण से अनुकूल नहीं है। स्वास्थ्य के लिहाज से, चीजें काफी सामान्य रहेंगी, हालांकि आप पीठ और आंखों के दर्द का अनुभव कर सकते हैं।

मिथुन: इस सप्ताह अपने माता-पिता के साथ समय बिताने पर ध्यान दें। उन्हें आपकी आवश्यकता हो सकती है, लेकिन आपके व्यस्त कार्यक्रम के कारण, वे इसे व्यक्त नहीं कर सकते हैं। यह एक अच्छा बेटा / बेटी बनने और उनकी ठीक से देखभाल करने का समय है। विद्यार्थियों के लिए यह सप्ताह उत्पादक प्रतीत होता है।

कर्क: इस सप्ताह आप कुछ ऐसे निर्णय ले सकते हैं जो आपके परिवार के सदस्यों को आश्चर्यचकित कर देंगे। कुछ आपके पक्ष में होंगे जबकि अन्य आपकी आलोचना कर सकते हैं। खुद पर विश्वास बनाए रखें और सकारात्मक परिणामों की प्रतीक्षा करें।

सिंह: इस सप्ताह आपकी माता का स्वास्थ्य आपको तनाव दे सकता है। जागरूक रहें और सुनिश्चित करें कि उसे उचित देखभाल मिले। जीवन कई बार कठिन हो सकता है, और यह सप्ताह आपकी परीक्षा ले सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी सौदे में आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या: सेहत पर ध्यान देने के साथ-साथ इस हफ्ते आपको अपनी आर्थिक प्लानिंग पर भी ध्यान देने की जरूरत है। तनाव आपको मानसिक रूप से कमजोर महसूस करा सकता है। यदि ऐसा होता है, तो एक या दो दिन के लिए ब्रेक लेने पर विचार करें। आप अपनी ऊर्जा और सकारात्मकता वापस पा लेंगे।

तुला: आपको बहुत जल्द पदोन्नति की खबर मिलने की संभावना है, इसलिए तैयार रहें। इस सप्ताह आप पर और अपने परिवार के सदस्यों दोनों पर ध्यान दें। ऐसा करने से, आप एक नई और सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे जो आपको चीजों से बेहतर तरीके से निपटने में मदद करेगी।

वृश्चिक: इस सप्ताह आप कार्यस्थल पर चमकेंगे, जिससे आपके वरिष्ठ और सहकर्मी खुश रहेंगे। अपने लक्ष्यों का विश्लेषण करने के लिए यह एक अच्छा सप्ताह है। अपने रिश्ते में अपने साथी के साथ संचार में खुले रहें, क्योंकि गलत संचार मुद्दों का कारण बन सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर कुछ बदलाव हो सकते हैं।

धनु: इस सप्ताह आपके संचार कौशल में सुधार होगा, जो भविष्य के प्रयासों में आपके लिए एक महाशक्ति होगी। इसे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से उपयोग करें और अपने रास्ते में सफलता महसूस करें। अपने रिश्ते में कुछ लचीलापन लाएं, अन्यथा चीजें खट्टी हो सकती हैं। इस सप्ताह ऑफिस में स्वतंत्र रूप से काम करने से बचें।

मकर: इस सप्ताह आपके पास पहले से क्या है और भविष्य में आप क्या चाहते हैं, विशेष रूप से वित्तीय नियोजन के संबंध में ध्यान दें। यदि किसी भी स्तर पर कुछ अस्पष्ट है, तो विशेषज्ञ की सलाह लेने में संकोच न करें। साथ ही घर और ऑफिस के बीच संतुलन बनाकर रखें।

कुंभ: कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कई नए अवसर लेकर आएगा। वित्तीय स्थिति और समग्र कल्याण दोनों में सुधार की संभावना है। कुछ चचाओं के कारण घर में नकारात्मक माहौल बन सकता है, इसलिए ऐसी बातचीत से बचें। स्वास्थ्य के लिहाज से, चीजें सुलझती दिख रही हैं।

मीन: अगर आप नए निवेश के जरिए पैसा कमाना चाह रहे हैं तो यह सप्ताह आपके लिए अनुकूल रहेगा। बड़े निवेश के बजाय, छोटे या मध्यम लोगों पर ध्यान केंद्रित करें। इस सप्ताह अप्रत्याशित रिश्तेदार आपके घर आ सकते हैं, जो सकारात्मकता और ऊर्जा लेकर आ सकते हैं। उनके साथ कुछ अच्छे पल बिताएं।

उत्तर-पश्चिम दिल्ली लोकसभा में आप और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार डॉ. उदित राज के समर्थन में जनसभा

एकता और एकजुटता का एक महत्वपूर्ण क्षण रहा जब आम आदमी पाटी (आप) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता उत्तर-पश्चिम में अपने सांयुक्त उम्मीदवार डॉ. उदित राज का समर्थन करने के लिए एक साथ आए। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट एफ-1/10-11, सेक्टर 16, रोहिणी नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली नगर निगम (आप) वार्ड 21, रोहिणी ए' के निगम पार्षद प्रदीप मित्तल द्वारा किया गया था।

जन सभा में आम आदमी पाटी के निगम पार्षद प्रदीप मित्तल उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आप के जिला अध्यक्ष ललित यादव, कांग्रेस के पूर्व नगर पार्षद उम्मीदवार जगदीश सोलंकी, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के कांग्रेस के जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सोलंकी, पश्चिमी दिल्ली और कांग्रेस के पूर्व विधानसभा उम्मीदवार प्रदीप पांडे सहित सभी सम्मानित नेताओं ने भाग लिया और डॉ. उदित राज के समर्थन में एकता और दृढ़ संकलप का उल्लेखनीय प्रदर्शन किया जनता को सम्बोधित करते हुए प्रदीप मित्तल ने I.N.D.I.A गठबंधन को मजबूत करने और उनके उम्मीदवार का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "यह समय I.N.D.I.A गठबंधन के उम्मीदवार को मजबूत करने का है और उनकी जीत के बाद मैं डॉ. उदित राज के साथ मिलकर हमारे क्षेत्र के विकास के लिए काम करूँगा ।"

जन सभा में बोलते हुए प्रदीप मित्तल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में देखी गई विकासात्मक उपलब्धियों को दोहराने के लिए गठबंधन के समर्पण को रेखांकित किया । उन्होंने कहा, "दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली में जो भी विकास कार्य किये हैं, हम I.N.D.I.A अलाइंस के साथ मिलकर पूरे देश में इसी तरह के विकास कार्य करेंगे।"

केजरीवाल के शासन मॉडल के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर देते हुए, मित्तल ने राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को साकार करने के लिए गठबंधन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, "केजरीवाल का सपना देश के प्रत्येक व्यक्ति को भोजन, कपडा, मकान के साथ-साथ मुफ्त शिक्षा और मुफ्त स्वास्थय प्रदान करने के लिए काम करना है।"

I.N.D.I.A गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार डॉ. उदित राज ने भारी समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और निर्वाचन क्षेत्र की बेहतरी के लिए अथक प्रयास करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी उपलब्धि के ट्रैक रिकॉर्ड पर प्रकाश डालते हुए कहा, "मैंने 2014 से 2019 तक उत्तर-पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में कई काम कराए और विकास परियोजनायें शुरू कीं, लेकिन 2019 के बाद, भाजपा सांसद ने यहाँ कोई काम नहीं कराया। मैं आश्वासन देता हूँ।" आपसे मैं उन सभी विकास कार्यों को फिर से शुरू करूँगा और क्षेत्र का विकास करूँगा।

इस कार्यक्रम ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली के लोगों की जरूरतों और आकांशाओ को सम्बोथित करने के लिए आप और कांग्रेस की सामूहिक प्रतिबद्धता को उजागर करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। नेताओं ने अलोकतांत्रिक व्यवहार का मुकाबला करने और नागरिकों के अधिकारों की वकालत करने के प्रति अपना समर्पण दोहराया।

जन सभा ने समुदाय के हितों को आगे बढ़ाने और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के उज्जवल भविष्य को बढ़ावा देने में एकता और सहयोग की शक्ति को रेखांकित किया ।

एलएनजेपी अस्पताल के एमडी को कब्जा करने आए गुंडों ने धमकी दी

॥ इंद्र वशिष्ठ ॥

दिल्ली गेट स्थित लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल परिसर में इमरजेंसी के ठीक सामने कुछ गुंडों ने जबरन अस्पताल की जमीन पर कब्जा करने/ दुकान लगाने की कोशिश की।

एलएनजेपी अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डाक्टर सुरेश कुमार और सुरक्षा कर्मियों आदि के साथ मारपीट/ हाथापाई की और धमकी भी दी।

अस्पताल प्रशासन ने पुलिस बुला ली। कब्जा करने की कोशिश करने वाले विकलांग सत्यनारायण उर्फ मोनू निवासी खरखौदा, हरियाणा,सुनील कुमार निवासी सोनीपत समेत 3-4 आरोपियों को पुलिस चौकी में ले गई और रात को उन्हें छोड़ दिया। आरोपी सुनील का पिता दिल्ली पुलिस में बताया जाता है।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर कानून एवं व्यवस्था रवींद्र यादव की जानकारी में मामला आने के बाद पुलिस ने 15 मई को एफआईआर दर्ज की।

आई पी एस्टेट थाना पुलिस ने कब्जा करने की कोशिश और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। लेकिन पुलिस ने एमडी सुरेश कुमार को धमकी दिए जाने की बात एफआईआर में दर्ज ही नहीं की।

जबकि एमडी द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत में यह बात लिखी गई है। पुलिस ने एफआईआर में सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट/ हमला करने की धारा भी नहीं लगाई। इससे पुलिस की भूमिका पर सवालिया निशान लग जाता है।

मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि इस मामले में 15 मई को एफआईआर दर्ज कर ली गई और मामले की निष्पक्षता से जांच की जा रही है। इस तरह के मामलों में निर्धारित जांच प्रक्रिया के बाद ही एफआईआर दर्ज की जाती है।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डाक्टर सुरेश कुमार की शिकायत के अनुसार आठ- दस गुंडों ने अस्पताल प्रशासन द्वारा गेट नंबर चार पर दो दुकानों के बीच की खाली जगह में लगाए गई लोहे की टीन की घेराबंदी /बैरीकेडिंग को तोड़कर वहां पर कब्जा करने की कोशिश की। कब्जा करने वालों के साथ एक वकील भी था। कब्जा करने की कोशिश करने वाले आरोपी सुनील कुमार और उसके साथियों ने अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डाक्टर सुरेश कुमार को भी धक्का देने की कोशिश की और धमकाया भी।

अस्पताल के एमडी डाक्टर सुरेश कुमार ने मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन को ईमेल से इस मामले की शिकायत की। एडिशनल डीसीपी सचिन शर्मा से भी बात की। लेकिन इसके बावजूद हाथ आए आरोपियों को पुलिस ने क्यों छोड़ दिया? और तुरंत एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की? इससे पुलिस की भूमिका पर सवालिया निशान लग जाता है।

अस्पताल के एमडी सुरेश कुमार ने तो बहादुरी दिखाते हुए अस्पताल की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने वाले गुंडों को पुलिस के हवाले करवा दिया। लेकिन एफआईआर दर्ज कराने के लिए ही एमडी सुरेश कुमार को पुलिस से तीन दिन तक एक तरह से गुहार लगानी पड़ी।

पुलिस अगर तुरंत एफआईआर दर्ज कर हाथ आए आरोपियों को उसी समय गिरफ्तार कर लेती, तो पुलिस की भूमिका पर भी कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता था।

कब्जा करने की कोशिश करने वालों में से एक आरोपी सत्यनारायण की एक साल पहले यहां दुकान/खोखा/ कियोस्क होती थी ठीक एक साल पहले यानी मई 2023 में आरोपी खुद ही अपना कियोस्क/खोखा/दुकान यहां से उठाकर ले गया था। जिसके बाद उस खाली जगह को अस्पताल प्रशासन ने अपने कब्जे ले लिया।

सत्यनारायण हाईकोर्ट से दुकान का केस भी हार चुका है। अस्पताल प्रशासन ने शिकायत के साथ हाईकोर्ट के आदेश की प्रति भी पुलिस को दी है।

वैसे वरिष्ठ पुलिस अफसर अगर ईमानदारी से 13 मई को ही तफ्तीश करते, तो सिर्फ दो मिनट में ही यह स्पष्ट हो जाता कि आरोपियों ने जिस जगह पर कब्जा करने की कोशिश की थी। वह जगह तो एक साल से भी ज्यादा समय से खाली है और उस पर अस्पताल प्रशासन का कब्जा है।

फोटो :कमलजीत सिंह

डी ब्लॉक पांडव नगर में इस सीवर का ढक्कन पिछले एक महीने से टूटा है जिस कारण कोई भी हादसा हो सकता है।

मुकेश चतुर्वेदी बने एंप्लॉइज यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष

उत्तर पश्चिम रेलवे की सबसे बड़े कर्मचारी संगठन एंप्लॉइज के यूनियन जयपुर मंडल मंत्री मुकेश चतुर्वेदी को लंबे समय से खाली जोनल कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया है ।

इसके बाद चतुर्वेदी का मंडल अध्यक्ष केएस अहलावत, कोषाध्यक्ष राकेश यादव, अनूप कुमार शर्मा, बैंक उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, डायरेक्टर देशराज, सहायक महामंत्री गोपाल मीणा, नरेंद्र चाहर, मीना सक्सेना, प्रतीक्षा माथुर, राजीव सारण, हीरा लाल स्वामी, सतीश ज्यानी, विशाल परवानी, हेमंत शर्मा, अमन चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वहीं सहायक महामंत्री नरेंद्र चाहर को जोनल उपाध्यक्ष बनाया गया है।

स्वतंत्रता सेनानी-राजनयिक और राजनीतिज्ञ विजय लक्ष्मी पंडित

॥ अरूण जोशी ॥

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की पहली महिला अध्यक्ष और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बहन विजय लक्ष्मी पंडित सार्वजनिक जीवन में अग्रणी महिलाओं में से एक थीं। उनका जन्म 18 अगस्त 1900 को प्रयागराज में जाने-माने बैरिस्टर और प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी मोतीलाल नेहरू और स्वरूप रानी के घर हुआ था और उन्होंने बड़े ही कुलीन और अभिजात्य तरीके से जीवन जिया।

उनके पिता और भाई देश की आजादी की लड़ाई में पूरी तरह शामिल थे। अपने परिवार के नक्शेकदम पर चलते हुए वे भी आजादी की लड़ाई में कूद पड़ीं और पूर्ण समर्पित होकर अपना योगदान किया। उन्हें तीन बार जेल भी जाना पड़ा।

संस्मरण : नेहरूजी की बहन

उनका विवाह एक साथी स्वतंत्रता सेनानी और गुजरात में काठियावाड़ के एक सफल बैरिस्टर, रंजीत सीताराम पंडित के साथ हुआ था। वे एक प्रख्यात विद्वान थे, जिन्होंने कल्हण के महाकाव्य 'रजतरंगिणी' का संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद किया था। वे रत्नागिरी के एक मराठा सारस्वत ब्राह्मण थे। आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 1944 में लखनऊ जेल में उनकी मृत्यु हो गई। उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटियों -चंद्रलेखा मेहता, नयनतारा सहगल और रीता धर शामिल थीं। नयनतारा सहगल एक प्रसिद्ध लेखिका और उपन्यासकार हैं।

विजय लक्ष्मी 1937 में संयुक्त प्रांतीय विधायिका के लिए चुनी गईं और उन्हें स्थानीय स्वशासन और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया। स्वतंत्रता के बाद वे राजनयिक सेवा में शामिल हुईं और 1949 से 1951 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत की राजदूत रहीं। वे सोवियत संघ, मैक्सिको, आयरलैंड, यूनाइटेड किंगडम और स्पेन में भी भारतीय दूत रहीं।

1962 से 1964 तक वे महाराष्ट्र की राज्यपाल रहीं। अपने भाई जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद उन्होंने 1967 से 1971 तक लोकसभा में उनके निर्वाचन क्षेत्र फूलपुर का प्रतिनिधित्व किया। बाद में उन्होंने सार्वजनिक जीवन से अवकाश ले लिया। लेकिन वे हमेशा नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी की महत्वाकांक्षाओं के लिए आँख की किरकिरी बनी रहीं। विजय लक्ष्मी देहरादून में राजपुर रोड स्थित अपने बंगले में सेवानिवृत्त जीवन जी रही थीं। मोतीलाल नेहरू के समय से ही देहरादून हमेशा से छुट्टियों के लिए नेहरू परिवार का एक शीत और शांत स्थान रहा है।

पारिवारिक परंपराओं के अनुसार विजय लक्ष्मी ने मानवाधिकारों और लोकतंत्र के सिद्धांतों को दिल की गहराई से आत्मसात किया था। इसलिए जब 1975 में आपातकाल लगाया गया तो वे अपनी भतीजी इंदिरा गांधी के खिलाफ खड़ी हो गईं। उन्होंने मुझे एक साक्षात्कार में बताया कि आपातकाल का विरोध करना उनके लिए स्वाभाविक था, क्योंकि उन्हें मूल्यों की शिक्षा दी गई थी, और इसके पीछे कोई पारिवारिक कटुता नहीं थी। उन्होंने इस कृत्य के लिए अपनी भतीजी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की कड़ी आलोचना की और इसका पुरजोर विरोध किया तथा जयप्रकाश नारायण के आंदोलन का समर्थन किया। आपातकाल के विरोध के दौरान उन्होंने जनता पार्टी के नेताओं के साथ पूरे देश में जनसभाओं को संबोधित किया। उनके वहां होने से आंदोलन को काफी बल मिला, खासकर इसलिए क्योंकि वे इंदिरा गांधी की बुआ थीं। श्रीमती पंडित बड़ी भीड़ खींचने वाली बन गई थीं। नेहरू परिवार से होने के कारण सार्वजनिक सभाओं में उनकी काफी मांग रहती थी और वे आकर्षण का केंद्र होती थीं क्योंकि उनकी विरोध रैलियों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़ते थे। मैंने भोपाल के सदर मंजिल मैदान में उनकी रैली भी देखी जिसमें आपातकाल के खिलाफ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे।

मैं 1978 से 1987 तक आकाशवाणी नजीबाबाद में तैनात था। जनवरी 87 में मुझे ए.आर. शिंदे का फोन आया, जो उस समय आकाशवाणी के अतिरिक्त महानिदेशक थे। किसी तरह मैंने उनके साथ बद्रीनाथ, केदारनाथ और देहरादून की यात्रा के दौरान उन पर अच्छा प्रभाव डाला था। उन्होंने मुझे ऑल इंडिया रेडियो अभिलेखागार के लिए स्वतंत्रता आंदोलन के मौखिक इतिहास के लिए उनके संस्मरणों को रिकॉर्ड करने का काम सौंपा। उन्होंने मुझे यह भी चेतावनी दी कि मैं उन पर कोई सवाल न पूछूं, बल्कि उन्हें प्रेरित करूं और स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरणों की याद दिलाऊं, जो उन्होंने देखे थे। उन्होंने मुझे राजपुर रोड स्थित अपने आवास पर सप्ताह में एक बार एक घंटे के लिए रुकने की अनुमति दी। इस प्रकार हमने चार घंटे तक उनकी यादें रिकॉर्ड कीं।

जब मैं उनसे पहली बार मिला तो मैं उस महिला को देखकर आश्चर्यचकित रह गया, जो लगभग अस्सी साल की थी और उसके बाल चांदी जैसे भूरे थे। उसके चेहरे पर दैवीय कुलीनता की चमक थी। उसकी फोटोग्राफिक मेमोरी बहुत तेज थी। उसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने भाई के परिवार और अपने परिवार में हुई घटनाओं और आंदोलन के दौरान विशेष रूप से जेल जाने के दौरान उनके सामने आई कठिनाइयों के बारे में बताया। उन्होंने हमें अन्य प्रमुख नेताओं के योगदान के बारे में बताया क्योंकि उनके पिता का घर आनंद भवन सभी गतिविधियों का केंद्र था। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनका समृद्ध कुलीन परिवार गांधीवादी तरीके से बदल गया। बढ़ती उम्र के कारण वह थोड़ी मूडी और तुनकमिजाज हो गई थीं। कुछ दिन उन्होंने रिकॉर्डिंग के लिए मना कर दिया।

ऐसा लग रहा था कि आपातकाल लागू होने पर इंदिरा गांधी के प्रति उनके मन और दिल में जो कड़वाहट थी, वह कम हो गई थी क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी कुछ दिन पहले ही अपनी दादी को श्रद्धांजलि देने के लिए उनसे मिलने गए थे। इससे वह खुश हुईं क्योंकि उन्हें कभी भी उनके आने की उम्मीद नहीं थी।

वह अपनी भतीजी इंदिरा गांधी की क्रूर हत्या से बहुत दुखी थीं। उनके गालों पर आंसू छलक आए क्योंकि यह परिवार के खून की पुकार थी। उनकी बातचीत के दौरान कई बार लंबे समय से चली आ रही कटुता के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दिए क्योंकि पंडित नेहरू के जीवन और मामलों में इंदिरा गांधी के प्रभुत्व ने श्रीमती पंडित को सभी क्षेत्रों में दरकिनार कर दिया था।

बढ़ती शुगर को कंट्रोल करें

हम सभी जानते हैं कि खाने-पीने के रेडीमेड सामानों और सॉफ्ट ड्रिंक्स के जरिए हम सबसे ज्यादा शुगर (चीनी) कंज्यूम करते हैं। ये शूगर ही हमारे शरीर को कई तरहों से और सबसे ज्यादा नुकसान भी पहुंचाती है। इस एक्स्ट्रा शुगर से आपकी सेहत को कोई भी फायदा नहीं होता बल्कि जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के मुताबिक ये शरीर में घटिया किस्म के कॉलेस्ट्रोल को बढ़ावा देती है जिससे आगे चलकर दिल से संबंधित बीमारियों का खतरा पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है।

शुगर

ज्यादा शुगर वाली खाने-पीने की चीजें इस्तेमाल करने से डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। एडल्ट्स को करीब 30 ग्राम शुगर एक दिन में कंज्यूम करने की सलाह दी जाती है जबकि 4 से 6 साल के बच्चों के लिए ये मात्रा 19 ग्राम और 7 से 10 साल के बच्चों के लिए 34 ग्राम है। अगर आप मीठा खाने के बहुत ज्यादा शौकीन हैं और डायबिटीज जैसे इसके नुकसानों से भी बचे रहना चाहते हैं तो न्यूट्रीशन एक्सपर्ट डॉक्टर मर्लिन ग्लेनविल बता रहीं हैं ऐसे 6 तरीके जिससे आप अपनी आदत बदले बिना रह सकते हैं डायबिटीज से दूर-

बाहर संभल कर खाएं

सबसे ज्यादा शुगर बाहर से खाने-पीने वाली चीजों के जरिये कंज्यूम की जाती हैं। ऐसे में थोड़े सी सतर्कता से आप मीठा खाकर भी बीमारियों से बचे रह सकते हैं। आपको करना बस इतना है कि स्पैगिटी सॉस और मियोनीज की जगह ऑर्गनिक योगार्ट इस्तेमाल करें और ऐसी दुकानों पर खाएं जो अपने सॉस खुद तैयार करते हैं। घर में बने सॉस में अपेक्षाकृत कम शुगर होती है।

कम-कम खाइए लेकिन जरूर खाइए

डायबिटीज है और लो ब्लड शुगर जैसी दिक्कतों से जूझना पड़ता है तो साथ में चॉकलेट बार या मीठी बिस्किट्स का पैकेट रखिए। थोड़ा-थोड़ा खाइए लेकिन खाना अवॉयड मत कीजिये। नाश्ता, लंच और डिनर के आलावा दोपहर और शाम में स्नैक्स भी लीजिए। तीन घंटे से ज्यादा बिना खाए मत रहिए नहीं तो लो ब्लड शुगर की दिक्कत को झेलना ही पड़ेगा।

इस दौरान फास्टिंग से बचे

जब आपने अपनी डाइट से शुगर कम करने का जिम्मा उठाया है तो फास्टिंग से बचे। बालिग लोगों के हिसाब से एक पुरुष को दिन में 2500 कैलोरी जबकि महिला को कम से कम 2000 कैलोरी कंज्यूम करनी ही चाहिए। हालांकि डाइट में शुगर और काबोर्हाइड्रेट से बचें। बता दें कि लो या हाई ब्लड शुगर ही शरीर में इन्सुलिन के स्त्राव पर असर डालता है। इसके अलावा स्ट्रेस हारमोंस जैसे एड्रिलिन और कोरिस्टोल भी इसी से नियंत्रित होते हैं।

दिन में दूसरी बार कॉफी या चाय पीने से बचें

चाय या कॉफी के जरिये आप जो कैफीन कंज्यूम करते हैं अब उस पर भी कंट्रोल करने का समय आ गया है। चाय या कॉफी पीने से शरीर में एड्रिलिन और कोरिस्टोल हारमोन का स्त्राव होता है जिससे इन्सुलिन का स्त्राव अफेक्ट होता है। चाय या कॉफी आपमें ज्यादा शुगर कंज्यूम करने की आदत को भी बढ़ावा देती हैं।

काबोर्हाइड्रेट के साथ डाइट में शामिल करें प्रोटीन

ये तो सब जानते हैं कि शरीर में पहुंचने के बाद काबोर्हाइड्रेट ही टूटकर शुगर में तब्दील हो जाता है। लेकिन आप जितना प्रोटीन का इस्तेमाल करेंगे वो काबोर्हाइड्रेट के शुगर में तब्दील होने की प्रक्रिया को उतना ही धीमा और नियंत्रित कर देगा। आप डाइट में मूंगफली जैसी चीजों को शामिल कर ऐसा कर सकते हैं।

कम्फर्ट डाइट से बचें

आप जब भी स्ट्रेस्ड फील करते हैं कुछ मीठा खाना चाहते हैं और ज्यादातर लोग मीठा खाते भी हैं। स्ट्रेस की सिचुएशन में मीठे को कम्फर्ट फूड कहा जाता है, क्योंकि मीठा खाने से आप राहत महसूस करते हैं। लोग सिर्फ स्ट्रेस में ही नहीं, बोर होने, अकेले होने, दुखी होने और गुस्सा होने पर भी कम्फर्ट इटिंग करते हैं। बस आपको करना इतना है कि इसका दूसरा रास्ता निकालें और मीठा खाने की जगह किसी दूसरी एक्टिविटी में खुद को व्यस्त कर लें

छेत्री के संन्यास के पीछे का कारण-बताया क्यों कतर के खिलाफ नहीं खेलेंगे

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री ने अपने संन्यास की घोषणा के बारे में विस्तार से बताया। देश के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर ने खुलासा किया कि "एक महीना हो गया है" जब से उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने का फैसला किया है।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से कहा, "एक महीना हो गया है। यह एक भावना और एक सहज प्रवृत्ति के साथ शुरू हुआ कि अब इसे बंद करने का समय आ गया है। और यह धीरे-धीरे और लगातार हर दिन मुझमें बढ़ता गया। अंत में, मैं इस निर्णय पर पहुंचा। और मुझे लगता है कि मैंने सही निर्णय लिया है यह (6 जून, 2024 को कुवैत के खिलाफ मैच) मेरे करियर के सबसे बड़े मैचों में से एक है। यह राष्ट्रीय टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए उम्मीद है कि हम कुवैत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगे और विश्व कप के लिए वहां तीसरे दौर (क्वालीफायर) में मौजूद रहेंगे।"

कई सवाल उठे कि छेत्री ने 6 जून को कुवैत के खिलाफ मैच के बाद संन्यास लेने का फैसला क्यों किया और कतर के खिलाफ 11 जून के क्वालीफायर मैच तक इंतजार क्यों नहीं किया, जो संभवतः यह तय कर सकता है कि भारत अगले दौर में जाएगा या नहीं।

"हम घर पर खेल रहे हैं, वह साल्ट लेक में है। यह वैसा नहीं होगा। और मैं इस या उस तरह से काफी आश्वस्त हूं। भले ही आपको कतर के खिलाफ कुछ अंक चाहिए, हमारी टीम काफी सक्षम है। मुझे लगता है कि मेरी टीम तैयार है। इसलिए, सब कुछ मिलाकर मैंने तय किया कि 6 जून देश के लिए मेरा आखिरी मैच है।"

उन्होंने 2005 में राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया और टीम के साथ उनका शानदार 19 साल का करियर रहा, जिसमें वह शीर्ष स्कोरर बने और सबसे अधिक प्रदर्शन भी हासिल किया। उन्होंने आगे अपनी पूरी यात्रा के बारे में बात की।

तीसरे सबसे बड़े सक्रिय अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर ने निष्कर्ष निकाला, "यह उत्कृष्ट है। यह एक सपना है। मुझे नहीं पता कि कहां से शुरू करूं। लेकिन सारांश यह है कि यह एक सुंदर सपना है। मुझे लगता है कि मैं 19 साल तक राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनकर बेहद भाग्यशाली और विशेषाधिकार प्राप्त हूं। देश के लिए भाग लेने और खेलने में सक्षम होना उत्कृष्ट है। यह कुछ ऐसा है जो मुझसे कोई नहीं छीन सकता। मैं उन सभी का आभारी हूं जिन्होंने योगदान दिया है और मैं इस तरह घिसी-पिटी बात कहने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, मैं वास्तव में यही कहना चाहता हूं यह अहसास जो मुझे मिलता है।"

हॉकी प्रो लीग के लिए यूरोप रवाना हुई भारतीय महिला टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के रास्ते ब्रुसेल्स के लिए अपनी यात्रा पर निकली, जो एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के यूरोपीय लीग चरण में उनकी भागीदारी की शुरूआत है।

लीग का यह चरण बेल्जियम और इंग्लैंड में होगा, जिसमें एंटवर्प 22 से 26 मई तक मैचों की मेजबानी करेगा और लंदन 1 से 9 जून तक मैचों की मेजबानी करेगा।

सलीमा टेटे भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी, मिडफील्डर नवनीत कौर उनकी डिप्टी होंगी।

इस चरण के दौरान भारत का सामना अर्जेंटीना, बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन और जर्मनी से दो-दो बार होगा। वर्तमान में टीम एफआईएच प्रो लीग 2023-24 अंक तालिका में आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है।

तैयारियां बहुत तीव्र थीं, टीम कठोर प्रशिक्षण सत्रों से गुजरी और साई बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह मैचों की एक फ्रेंडली सीरीज में भाग लिया, जो 3 से 11 मई तक था।

शुरूआती तीन मैचों में भारत ने अपना दबदबा दिखाया और क्रमशः 1-0, 5-1 और 3-1 के स्कोर से जीत हासिल की।

हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने जोरदार वापसी करते हुए चौथे 2-2 (2-4 एसओ) और पांचवें (1-1 (3-1 शूट आउट) मैच में जीत हासिल की।

श्रृंखला के आखिरी मैच में भारत निर्धारित समय के अंत में 1-1 से बराबरी के बाद शूटआउट में 4-3 से विजयी हुआ। "भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में, एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण में अपनी प्रतिभाशाली टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

"दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया श्रृंखला ने हमें महत्वपूर्ण सबक सिखाए हैं, और हम उन्हें लागू करने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि हम यूरोप में मजबूत विरोधियों का सामना कर रहे हैं।"

पीजीडीएवी कॉलेज ने प्रथम मोतीलाल नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज फुटबॉल टूर्नामेंट जीता

॥ राकेश थपलियाल ॥

अमित रावत के शानदार खेल से पीजीडीएवी कॉलेज ने मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य को 2-1 से हरा कर प्रथम मोतीलाल नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज फुटबॉल टूनार्मेंट का खिताब जीत लिया।

मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य की प्राचार्य प्रो. विचित्रा गर्ग, प्रो. बलराम पाणी, (डीन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय), श्री गिर्राज प्रसाद मीना, आई आर एस, डॉ एमएस राठी (सेवानिवृत्त , हेड ऑफ फि ज़िकल एजुकेशन) ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

फाइनल मैच के मुख्य अतिथि प्रो. बलराम पाणि ने सिक्का उछालकर मैच शुरू कराया। पीजीडीएवी कॉलेज ने पहले हाफ में ही 2 गोल से बढ़त बना ली । दूसरे हाफ में मोतीलाल नेहरू कॉलेज ने मैच शुरू होते ही गोल मारकर मैच को रोमांचक बना दिया लेकिन पीजीडीएवी कॉलेज के डिफेंडरों ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच 2-1 से जीत लिया । अमित रावत और निशांत ने पीजीडीएवी की तरफ से एक-एक गोल मारा तो मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य की तरफ से चेतन्य आहूजा ने एक गोल मारा। अमित रावत को इस प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया ।

मुख्य अतिथि प्रो. बलराम पाणि ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता भारत सरकार के खेलों इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ाते है । कॉलेज की प्राचार्य प्रो विचित्रा ने कहा कि वाइस चांसलर साहब के सहयोग से आगे भी हम इस तरह की खेल प्रतियोगिता करवाते रहेंगे । मुख्य अतिथि श्री गिर्राज प्रसाद मीना और प्रो. एमएस राठी ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया । डॉ कान्हा राम मीना ने धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया ।

पंत समय के साथ बेहतर कप्तान बनेंगे : गांगुली

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर 19 रन की जीत के साथ अपने लीग चरण के अभियान को समाप्त करने के बावजूद आईपीएल 2024 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद अभी भी अधर में लटकी हुई है, लेकिन टीम निदेशक सौरव गांगुली अपने वापसी सत्र में कप्तान ऋषभ पंत के नेतृत्व कौशल से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि आने वाले वर्षों में यह और निखरेगा।

इतने ही मैचों में 14 अंकों के साथ, दिल्ली अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है और नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई करने के लिए विभिन्न क्रमपरिवर्तन और संयोजन पर निर्भर है।

दिसंबर 2022 में एक घातक कार दुर्घटना के एक साल से अधिक समय के बाद पंत ने आईपीएल 2024 में क्रिकेट एक्शन में वापसी की।

गांगुली ने जियोसिनेमा को बताया, "पंत एक युवा कप्तान हैं, वह समय के साथ सीखेंगे। जिस तरह से वह चोट से वापसी करते हुए पूरा सीजन खेलेंगे; हमें ऑफसीजन के दौरान संदेह था। भारतीय खिलाड़ी महत्वपूर्ण हैं, खासकर जब से आईपीएल 10 टीमों में स्थानांतरित हो गया है। उनके लिए बहुत खुशी की बात है कि वह पूरे सीजन में इतना अच्छा खेलने के लिए लौटे।"

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ संघर्ष के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज को निलंबित किए जाने के बाद पंत की कप्तानी में डीसी ने 13 मैचों में सात मैच जीते। उन्होंने 40.55 की औसत से 446 रन भी बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

उन्होंने कहा, "आगे जो कुछ भी होगा उसके लिए उसे मेरी शुभकामनाएं हैं। समय के साथ, वह एक बेहतर कप्तान बन जाएगा। कोई भी पहले दिन से महान कप्तान नहीं होता है, लेकिन वह एक सहज कप्तान है, वह मैदान पर निर्णय लेता है। अधिक समय के साथ , वह बेहतर हो जाएगा।"

भारत के पूर्व कप्तान ने तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को सीजन में टीम का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना। 30 वर्षीय खलील अहमद के साथ फ्रेंचाइजी के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। पूर्व ने 10 मैचों में 17 विकेट लिए हैं जबकि खालिद ने 14 मैचों में समान विकेट लिए हैं।

टीम निदेशक ने कहा,"मुकेश इस सीजन में हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। वह सभी कठिन ओवरों में गेंदबाजी करते हैं, चाहे शुरूआत में या डेथ ओवरों में। इस सीजन में कोई भी मैच ऐसा नहीं रहा है जहां हमें डेथ ओवरों में उनकी गेंदबाजी की जरूरत नहीं पड़ी हो। हम जानते थे कि छक्का छोड़ना अधिक नुकसान होगा, इसलिए उन्होंने लगातार वहां अच्छा प्रदर्शन किया है, हमारे भारतीय गेंदबाज इस सीजन में शानदार रहे हैं।"

गांगुली ने फ्रेंचाइजी के लिए आठ मैचों में नौ विकेट लेने के लिए युवा तेज गेंदबाज रसिख सलाम की भी प्रशंसा की। "आपने समय के साथ रसिख के विकास को देखा है। उसने जितने अधिक मैच खेले, वह उतना ही बेहतर होता गया। दिल्ली के विकेट पर गेंदबाजी करना आसान नहीं है।

धोनी का सादगी भरा व्यवहार उनके चरित्र को बताता है : जान्हवी कपूर

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। उन्होने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया।

जान्हवी ने मल्टीप्लेक्स में मीडिया से बात करते हुए कहा, "मेरा मानना है कि मैं और यहां मौजूद हर कोई महेंद्र सिंह धोनी सर का बहुत बड़ा फैन है। उनका व्यक्तित्व कुछ ऐसा है कि हर कोई उनकी ओर आकर्षित हो जाता है। कुछ दिन पहले मैं उनके साथ एक फंक्शन में थी, जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मुझे लगा कि वह चल नहीं रहे थे, बल्कि उड़ रहे थे।"

उन्होंने आगे बताया कि कैसे धोनी के व्यवहार ने उन्हें काफी प्रभावित किया।

उन्होंने आगे कहा, "उन्होंने न सिर्फ लोगों के साथ सेल्फी ली...बल्कि उनके साथ बातचीत भी की। सभी के साथ बेहद सम्मान के साथ व्यवहार किया। लोगों के साथ विनम्र व्यवहार उनके चरित्र और उनके दिल के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह उनका व्यक्तित्व है, जो प्रेरणादायक है।"

आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही भूमि पेडनेकर

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने खुलासा किया है कि बड़े होने के दौरान उनमें आत्मविश्वास की कमी थी और उन्होंने खुद की तलाश में फैशन की ओर रुख किया था।

भूमि ने कहा, "मैं जब बड़ी हो रही थी, मुझमें आत्मविश्वास की काफी कमी थी, खास तौर से कुछ ब्यूटी आइडियल जैसी बनने के दबाव के चलते। इसलिए, मैंने खुद की तलाश में फैशन की ओर रुख किया।"

एक्ट्रेस ने कहा, "मुझमें उम्र के साथ खूबसूरती और फैशन की समझ बढ़ती गई।"

भूमि ने कहा कि यह अब सिर्फ अच्छा दिखने या ट्रेंड्स को फॉलो करने की बात नहीं है।

उन्होंने कहा, "यह मेरे अपने व्यक्तित्व विशेष को अपनाने, अपनी पर्सनालिटी को व्यक्त करने और अपनी खास खूबियों का जश्न मनाने के बारे में है। आज, फैशन और ब्यूटी एक ऐसा जरिया है जिससे मैं खुद को, अपने इमोशनल कैनवास और अपनी मन की स्थिति को जाहिर कर सकती हूं।"

भले ही भूमि को उनके फैशन और स्टाइल स्टेटमेंट पर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली हो, लेकिन भूमि अभी भी अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना बेहद पसंद करती हैं।

उन्होंने कहा, "मुझे एक्सपेरिमेंट करना पसंद है। मैं बस फैशन के साथ आनंद लेना चाहती हूं, और मुझे लगता है कि मैं इसे पूरे दिल से कर रही हूं, यही वजह है कि लोग मेरे फैशन की सराहना कर रहे हैं।"

एक्ट्रेस ने आगे कहा, "लोगों की किसी को एक दायरे में बांध देने की आदत है और मेरे साथ भी ऐसा हुआ। मैंने अब तक जो भी फिल्में की हैं, उनमें से ज्यादातर में मैंने एक छोटे शहर की लड़की की भूमिका निभाई है और इससे यह धारणा बनी है कि मैं एक आम लड़की की भूमिका में अद्भुत दिख सकती हूं।"

भूमि को यह पसंद है, लेकिन उनका फैशन उस धारणा को तोड़ता है और लोगों को यह दिखाता है कि वह वास्तव में कौन हैं और कैसी दिखना चाहती हैं।

भूमि ने कहा, "मैं एक युवा, आत्मविश्वासी भारतीय महिला हूं, जो फैशन के जरिए खुद को अभिव्यक्त कर रही है और मैं अपने लुक को मिल रहे प्यार का आनंद ले रही हूं।"

● डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

अलाया फर्नीचरवाला ने माता-पिता के तलाक पर खुलकर की बात

पूजा बेदी की बेटी अलाया फर्नीचरवाला (26) भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। अलाया एफ हाल ही रिलीज हुई फिल्म श्रीकांत में राजकुमार राव के अपोजिट हैं। इसके अलावा वह अक्षय कुमार व टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में भी नजर आई थीं। अलाया ने हाल ही अपने माता-पिता के तलाक को लेकर बातचीत की। अलाया के पिता बिजनेसमैन फरहान फर्नीचरवाला हैं। फरहान और पूजा की शादी साल 1994 में हुई और उनका साल 2003 में तलाक हो गया। उनके बेटी अलाया और बेटा उमर हैं।

अलाया ने 'बॉलीवुड बबल' को दिए इंटरव्यू में कहा कि मेरे पैरेंट्स तब अलग होने वाले थे मगर मैं हमेशा उन्हें साथ ही देखती थीं। दोनों ही एक-दूसरे के लिए फ्रेंडली थे। आज भी दोनों में ऐसा ही रिश्ता है। मेरी मां ने तो पिता की दूसरी शादी में भी हिस्सा लिया था। मैं खुद अपनी स्टेप मदर के बहुत करीब हूं। तलाक के बाद मेरे माता-पिता ने कभी एक दूसरे को लेकर गलत बातें नहीं की। मेरी मां ने सौतेली मां को भी स्वीकार कर लिया और मेरे पिता ने जो भी मेरी मां के जीवन में नए लोग आए उनका स्वागत किया।

यहां तक कि मेरी मां और सौतेली मां काफी करीबी दोस्त हैं। मेरे दिमाग में ये बात कभी नहीं ठूसी गई कि तलाक एक बुरी बात है। मैंने तो इसे पॉजिटिव ही लिया है। उल्लेखनीय है कि अलाया के पिता फरहान की दूसरी शादी लैला खान से हुई है, जो मशहूर दिवंगत एक्टर फिरोज खान की बेटी और फरदीन खान की बहन हैं। लैला की भी ये दूसरी शादी है। उनके एक्स पति टेनिस प्लेयर रोहित राजपाल यादव हैं। अब फरहान और लैला का एक बेटा है जान फर्नीचरवाला, जिनका जन्म 2015 में हुआ था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes